देशबन्धु

वर्ष – 7 । अंक – 331 । नर्मदापुरम, शनिवार 8 मार्च 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

आउटर पर खड़ी ट्रेन से उल्टी करने उतरे छात्र को दूसरी ट्रेन ने मारी टक्कर, मौत — पृष्ठ 2

- आत्मनिर्भर खेती की पहल
- बुच के जाते ही सेबी में सफाई अभियान शुरू हो — पृष्ठ 4

- प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों के जीवन को बदलने का काम किया — पृष्ठ 10

भारतीय क्रिकेट टीम के संतुलन की अहम कड़ी हैं फिनिशर हार्दिक पांड्या — पृष्ठ 11

सार-समाचार

पंचकूला में वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर दुर्घटनाग्रस्त

पंचकूला, एजेंसी। हरियाणा के पंचकूला स्थित मोरनी के बालदवाला गांव के पास शुक्रवार को भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारतीय वायुसेना के अधिकारी ने बताया कि विमान ने प्रशिक्षण उड़ान के लिए अंबाला एयरबेस से उड़ान भरी थी। पायलट पैराशूट से उतरकर अपनी जान बचाने में कामयाब रहा। अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। हालांकि माना जा रहा है कि विमान तकनीकी खराबी के कारण हादसे का शिकार हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान लहराते हुए पेड़ों से टकराता हुआ जंगल के बीच एक खाई में गिरा था। विमान के गिरते ही उसमें आग लग गई और वह कई टुकड़ों में बंट गया। विमान के टुकड़े आसपास के क्षेत्रों में बिखरे पाए गए हैं।

- प्रशिक्षण उड़ान के लिए अंबाला एयरबेस से भरी थी उड़ान
- पायलट पैराशूट से जान बचाने में कामयाब रहा

चाणक्यपुरी में आईएफएस अधिकारी ने की खुदकुशी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के चाणक्यपुरी इलाके में शुक्रवार को भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के एक अधिकारी ने बहुमंजिला इमारत से कूदकर खुदकशी कर ली। दिल्ली पुलिस ने बताया कि अधिकारी की पहचान जितेंद्र रावत के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बताया जा रहा है आईएफएस अधिकारी पिछले कुछ दिनों से परेशान था। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

पुलिस के सामने पेश हुए रणवीर इलाहाबादिया

गुवाहाटी, एजेंसी। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर फंसे यूट्यूबर-पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया शुक्रवार को गुवाहाटी में असम पुलिस के सामने पेश हुए। यूट्यूबर-पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को असम पुलिस पहले भी समन जारी कर चुकी है। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के मंच पर अपनी विवादास्पद टिप्पणियों से संबंधित मामले में इलाहाबादिया को पिछले सप्ताह असम पुलिस के समक्ष पेश होना था, लेकिन वह जांच टीम के सामने उपस्थित नहीं हुए थे।

डब्ल्यूटीसी ग्रुप फ्रॉड केस में आशीष भल्ला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को डब्ल्यूटीसी ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रमोटर आशीष भल्ला को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छह दिनों की हिरासत पर भेज दिया। ईडी ने भल्ला को बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट धोखाधड़ी और हजारों निवेशकों को ठगने के मामले में गिरफ्तार किया है। भल्ला को ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत डब्ल्यूटीसी फरीदाबाद इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और अन्य से जुड़े 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है।

भारत व भूटान ने सीमा-संबंधी कार्यों पर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और भूटान ने शुक्रवार को सीमा से संबंधित क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने इस मुद्दे पर संबंधित क्षेत्रीय सर्वेक्षण टीमों और अन्य हितधारकों द्वारा किए गए कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। नई दिल्ली में भारत सरकार और भूटान के अंतरराष्ट्रीय सीमा कार्यालय के अधिकारियों के बीच आयोजित दो दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीमा से संबंधित क्षेत्रीय कार्य की समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने दोनों सरकारों की प्राथमिकताओं के अनुसार सर्वेक्षण और सीमा से जुड़े कार्यों की तकनीक और क्षमता निर्माण सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

लाखों यूक्रेनी नागरिकों की होगी 'घर वापसी'!

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह इस बात पर विचार कर रहे हैं कि युद्ध की वजह से अमेरिका में रह रहे लाखों यूक्रेनी नागरिकों की अस्थायी संरक्षित स्थिति को रद्द किया जाए या नहीं, हालांकि इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक ट्रंप ने ओवल ऑफिस में मीडिया कहा, 'हम किसी को चोट पहुंचाना नहीं चाहते, मैं इस पर विचार कर रहा हूं, और कुछ लोग सोचते हैं कि यह उचित है, कुछ लोग नहीं सोचते हैं, और मैं जल्द ही इस पर निर्णय लूंगा।' ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के लोगों को 'बहुत कुछ सहना पड़ा है।'अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई जब मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि ट्रंप प्रशासन ने लगभग 2,40,000 यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा रद्द करने की योजना बनाई है।

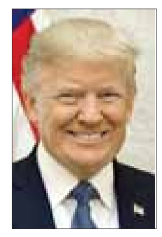

ये लोग फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद अमेरिका आ गए थे। अगर यूक्रेनी लोगों की सुरक्षा रद्द की जाती है तो यह कदम उन व्यक्तियों को निर्वासित करने के लिए आधार तैयार करेगा। हालांकि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस रिपोर्ट को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि कोई फैसला नहीं लिया गया है। बाइडेन प्रशासन ने घोषणा की थी कि वह यूक्रेन के लोगों को यूनाइटिंग फॉर यूक्रेन के माध्यम से देश में प्रवेश की अनुमति देगा। प्रवासियों को दो साल के लिए देश में पैरोल पर रहने की अनुमति दी जाएगी। बशर्ते वे अमेरिका स्थित प्रायोजक को सुरक्षित करने में सक्षम हों। बाइडेन प्रसाशन की तरफ से अपने कार्यकाल के आखिरी महीने में यह ऐलान भी किया गया कि वह यूक्रेनवासियों के लिए अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) को अक्टूबर 2026 तक बढ़ा रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इसी तरह के अन्य प्रोग्राम को भी निशाना बनाया है जो हैती, क्यूबा, निकारागुआ और वेनेजुएला के नागरिकों को देश में प्रवेश की अनुमति देते हैं। जदावा नवरी में होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने अमेरिका में रहने वाले लगभग 6,00,000 वेनेजुएलावासियों की अस्थायी संरक्षित स्थिति को निलंबित कर दिया था, और उसके बाद लगभग 5,20,000 हैतीवासियों के लिए भी इसी प्रकार का कदम उठाया गया। इन कार्रवाइयों के कारण अनेक मुकदमें दायर किए गए हैं, जिनमें शरणार्थियों के प्रवेश पर रोक और वेनेजुएला के नागरिकों के लिए टीपीएस को रद्द करने को चुनौती देना भी शामिल है।

परिसीमन के खिलाफ विरोध किया तेज

स्टालिन ने 7 मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने परिसीमन को लेकर मोर्चा खोला हुआ है। उन्होंने इसे संघीय ढांचे पर हमला करार देते हुए कहा है कि इससे जनसंख्या नियंत्रण करने वाले दक्षिण भारतीय राज्यों का अधिकार छिन जाएगा। अब स्टालिन ने 7 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को केंद्र द्वारा प्रस्तावित परिसीमन एक्सरसाइज के खिलाफ राजनीतिक दलों की जॉइंट एक्शन कमेटी में शामिल होने का आह्वान किया है।

स्टालिन ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, पंजाब के सीएम भगवंत मान, भाजपा शासित ओडिशा के सीएम मोहन चंद्र माझी, केरल के पिनराई विजयन, कर्नाटक के सिद्दरमैया, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू को निमंत्रण भेजा है। एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार के खिलाफ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और परिसीमन को लेकर मोर्चा खोल रखा है। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार दक्षिण भारतीय राज्यों पर हिंदी थोपना चाहती है। हालांकि केंद्र ने दोनों की आरोपों को खारिज कर दिया है। एमके स्टालिन पर परिसीमन का भी विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर केंद्र सरकार परिसीमन करना ही चाहती है, तो यह 1971 की जनसंख्या के आधार पर किया जाए। उन्होंने इसे अगले 30 साल के लिए स्थगित करने की भी अपील की है।

गोडसे का जिक्र कर बीजेपी को घेरा

स्टालिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, जब आप विशेषाधिकार के आदी हो जाते हैं तो समानता उत्पीड़न जैसी लगती है। मुझे याद है जब कुछ कट्टरपंथियों ने हमें तमिलनाडु में तमिलों के उचित स्थान की मांग करने के अपराध के लिए अंधराष्ट्रवादी और राष्ट्रविरोधी करार दिया। उन्होंने कहा, गोडसे की विचारधारा का महिमामंडन करने वाले लोग उस द्रमुक और उसकी सरकार की देशभक्ति पर सवाल उठाने का दुस्साहस करते हैं, जिसने चीनी आक्रमण, बांग्लादेश मुक्ति संग्राम और करगिल युद्ध के दौरान सबसे अधिक धनराशि का योगदान दिया, जबकि उनके वैचारिक पूर्वज वही हैं जिन्होंने 'बापू' गांधी की हत्या की थी।

अमित शाह ने दिया था आश्वासन

स्टालिन के विरोध के बाद अमित शाह ने ये आश्वासन भी दिया था कि दक्षिण भारतीय राज्यों की एक भी लोकसभा सीट कम नहीं होगी। हालांकि स्टालिन ने इस तर्क को मानने से इंकार कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने नए कन्वेंशन सेंटर के निर्माण के लिए किया भूमि-पूजन, कहा-

प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप होगा राजधानी भोपाल और प्रदेश का विकास

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की राजधानी भोपाल में बड़े आयोजनों के लिए जिस तरह के कन्वेंशन सेंटर की आवश्यकता थी, वह कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) के विस्तारीकरण और नए कन्वेंशन सेंटर से पूर्ण हो जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन सफल रहा। इस अवसर पर भोपाल में एक कन्वेंशन सेंटर की आवश्यकता अनुभव की गई। इस तरह के सेंटर की स्थापना की घोषणा के कुछ दिन में ही केन्द्र सरकार से इसकी स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस तरह यह नए केन्द्रीय बजट के पहले महत्वपूर्ण प्रकल्प के रूप में सामने आया है और शीघ्र ही इस सेंटर के विकास का कार्य प्रारंभ हो जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विभिन्न क्षेत्रों में विकास के साथ ही शहरों में जनता से जुड़ी सुविधाओं के विस्तार का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। राजधानी भोपाल और प्रदेश का विकास प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन के अनुरूप होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार की शाम कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर के मुख्य सभाकक्ष में कन्वेंशन सेंटर परिसर में प्रस्तावित नवीन कन्वेंशन सेंटर का भूमि-पूजन कर समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को 100 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले इस नए कन्वेंशन सेंटर के निर्माण में वर्तमान कन्वेंशन सेंटर की वास्तुकला और आकल्पन की तरह कार्य सम्पन्न किए जाने के निर्देश दिए। उच्च स्तरीय बैठकों के साथ ही व्यवसायिक आयोजनों और बड़े सम्मेलनों के लिए यह सेंटर उपयोगी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यटन मध्यप्रदेश की पहचान है। हाल ही भोपाल में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से भोपाल की प्राकृतिक सुंदरता प्रतिभागियों के मध्य चर्चा का विषय रही। वन्य जीवन पर्यटन में प्रदेश की नई पहचान बन रही है। देश में सर्वाधिक टाइगर मध्यप्रदेश में है। प्रदेश में माधव राष्ट्रीय उद्यान 9वां टाइगर रिजर्व घोषित हुआ है। मानव और वन्य प्राणी के सह-जीवन का अनूठा उदाहरण राजधानी भोपाल में देखने को मिलता है, जहां रातापानी अभ्यारण्य के झिरी-द्वार की दूरी शहर से सिर्फ 4-5 किलोमीटर दूर है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

कैसा होगा नया कन्वेंशन सेंटर

वर्तमान सेंटर के परिसर में आधुनिक तकनीक से नया सेंटर निर्मित और सुसज्जित किया जाएगा। नवीन संरचना में भूतल, निचला तल, प्रथम एवं द्वितीय तल निर्मित होंगे। वर्तमान कुशाभाऊ ठाकरे सभागार और प्रस्तावित भवनों के बीच सांस्कृतिक केन्द्र होगा, जिसमें कियोस्क होंगे, जो सम्मेलनों के दौरान स्थानीय हस्तशिल्प का प्रदर्शन और विक्रय करने में सहायक होंगे। नवीन सेंटर में करीब 1500 व्यक्तियों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम, 300 व्यक्ति के लिये हॉल, 200 व्यक्तियों के लिये मीटिंग हॉल, भोजन के लिये 2000 व्यक्तियों की क्षमता वाला डाइनिंग हॉल एवं डाइनिंग सुविधा युक्त 2000 व्यक्तियों की क्षमता वाला लॉन, वर्तमान एवं नवीन भवन मिलाकर 3000 व्यक्तियों की क्षमता वाला कन्वेंशन हॉल जिसमें 4500 व्यक्तियों के भोजन करने की क्षमता, अतिथियों के लिये सर्वसुविधायुक्त 15 कमरे जिनमें 5 सुइटस एवं 10 अतिरिक्त बड़े कुल 40 बेड क्षमता वाले कमरे, पुराने एवं नवीन भवनों के बीच बफर ओपन स्पेस (इनमें सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों की सुविधा), 300 व्यक्तियों के लिये डाइनिंग रेस्टोरेंट, बिजनेस सेंटर (प्रेस लॉन्ज, ट्रैवल डेस्क, मनी चेंजर, निजी लॉउन्ज एवं टी लॉउन्ज), मॉडर्न बिल्डिंग मैनेजमेंट, फायर फाइटिंग सिस्टम और ऑडियो-वीडियो युक्त आधुनिक तकनीक एवं एकॉस्टिक इंटीरियर्स के साथ ही 2000 व्यक्तियों की क्षमता का बैंक्वेट हॉल भी बनेगा।

अडानी समूह को मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मुंबई की धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) के निर्माणाधीन कार्य को रोकने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने अडानी समूह के पक्ष वाले बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले को पलटने से इनकार कर दिया। हालांकि, पीठ ने दुबई स्थित सेकलिंक टेक्नोलॉजी कॉरपोरेशन की इस याचिका पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया। सेकलिंक ने धारावी झुग्गी बस्ती के पुनर्विकास के लिए अपनी 2019 की बोली को रद्द करने और 2022 में अडानी को एक नया टेंडर जारी करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले की वैधता को चुनौती दी है। सेकलिंक द्वारा अपनी पेशकश में 20 फीसदी की वृद्धि करने की बात पर पीठ ने याचिका पर विचार करने के लिए सहमति जताई।

राहुल ने गुजरात में पार्टी नेताओं के साथ की बैठक

प्रदेश, जिला तथा ब्लॉक स्तर के नेताओं से जानी जमीनी हकीकत

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को गुजरात के अहमदाबाद में पार्टी के प्रदेश, जिला तथा ब्लॉक स्तर के नेताओं के साथ बैठक कर जमीनी स्तर पर पार्टी की स्थिति का जायजा लिया। श्री गांधी के साथ इस बैठक में संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, कांग्रेस के गुजरात के प्रभारी महासचिव मुकुल वासनिक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल, विधानसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित चवदा आदि व कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता के गुजरात के कार्यक्रम में आज सबसे पहले कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति के नेताओं के साथ राजीव गांधी भवन में मुलाकात के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्षों से मुलाकात की। उसके बाद उन्होंने ब्लॉक लेवल के नेताओं के साथ भी बैठक की।

2027 विधानसभा चुनाव पर नजर

कांग्रेस की नजर 2027 के विधानसभा चुनाव पर है। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की राय पर विचार के बाद कांग्रेस गुजरात विधानसभा चुनाव जीतने के मिशन के साथ आगे बढ़ रही है। राहुल गांधी की पार्टी नेताओं से बैठक भी इसी सिलसिले में हुई।

ओडिशा में दुष्कर्म की घटनाएं सरकार को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि ओडिशा में महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ रही है और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन सरकार इन अपराधों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है, लेकिन कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी और महिलाओं की आवाज बनकर काम करती रहेगी। कांग्रेस के ओडिशा के प्रभारी अजय कुमार लल्लू तथा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पिछले आठ महीने की भाजपा सरकार में खुद मुख्यमंत्री का मानना है कि 3,420 महिलाएं और 8,403 बच्चे लापता हैं। वहीं, इन आठ महीनों में 54 सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं। ओडिशा में नाबालिग बच्चियों के बलात्कार और हत्या की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

भाजपा सांसदों ने खुद बदल दिया अपने आवास का पता

- तुगलक लेन की जगह लिखवाया स्वामी विवेकानंद मार्ग
- कृष्णपाल गुर्जर, दिनेश शर्मा व वाइस एडमिरल ने लिखवाया

नई दिल्ली, देशबन्धु। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद अब कई मार्गों या चौराहों के नामों को बदलने की मांग तेज हो गई है। इसी कड़ी में फरीदाबाद से सांसद कृष्णपाल गुर्जर, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा और वाइस एडमिरल किरण देशमुख ने अपने आवास के बाहर लगे नेम प्लेट पर तुगलक लेन की जगह स्वामी विवेकानंद मार्ग लिखवा दिया है। वैसे, नेम प्लेट में अभी भी छोटे अक्षरों में तुगलक लेन लिखा है। नाम बदलने की यह घोषणा सरकार की तरफ से नहीं की गई है। सांसद अपनी मर्जी से आवास के बाहर लगे नेम प्लेट पर तुगलक लेन की जगह स्वामी विवेकानंद मार्ग लिखवा रहे हैं।

राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा को तुगलक लेन पर सरकारी आवास आवंटित हुआ। यहां उन्होंने अपने परिवार के साथ गृह प्रवेश किया। इसकी तस्वीरें भी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं। इन तस्वीरों में वे अपने सरकारी आवास के बाहर खड़े दिख रहे हैं। उनके आवास पर नेम प्लेट दिख रहा है, जिसमें तुगलक लेन की जगह स्वामी विवेकानंद मार्ग लिखा हुआ है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि आज नई दिल्ली स्थित नए आवास स्वामी विवेकानंद मार्ग (तुगलक लेन) में सपरिवार विधि विधानपूर्वक, पूजन-अर्चन कर गृह प्रवेश किया।

टी-72 टैंकों के ईंजन के लिए रूसी कंपनी के साथ करार

रक्षा मंत्रालय ने 24 करोड़ 80 लाख डॉलर का अनुबंध किया

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय ने रूस की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (आरओई) के साथ 24 करोड़ 80 लाख डॉलर का अनुबंध किया है जिससे सेना के टी-72 टैंकों के 1000 हॉर्स पावर के ईंजन खरीदे जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि अनुबंध के तहत टैंकों के लिए 1000 हॉर्स पावर के पूरी तरह से तैयार और अर्ध-तैयार इंजन खरीदे जाएंगे। इसके अंतर्गत प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण किया जाएगा । इस खरीद से मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा। अनुबंध के तहत इंजनों की असेम्बली और बाद में लाइसेंस आधार पर उत्पादन मेसर्स आरओई से मेसर्स आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (हैवी व्हीकल फैक्ट्री), अवाडी, चेन्नई में किया जाएगा। टी-72 भारतीय सेना के टैंक बेड़े का मुख्य टैंक है, जिसमें अभी 780 हॉर्स पावर के इंजन लगे हैं। टी-72 टैंकों के मौजूदा बेड़े को 1000 हॉर्स पावर के इंजन से लैस करने से भारतीय सेना की युद्ध क्षेत्र में गतिशीलता और आक्रामक क्षमता में वृद्धि होगी।

कैनेडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित हुआ शोध

हफ्ते में कुछ तेज कदम बचा सकते हैं जान

मौत की संभावना 31 फीसदी तक होती है कम

नई दिल्ली, एजेंसी। सुबह की सैर सेहत के लिए सौ फायदों का सबब होती है, ऐसा ज्ञानी ध्यानी और बड़े बुजुर्ग कहते आए हैं। बदलते दौर में जहां पॉल्यूशन की मार है, नाइट शिफ्ट की टेंशन है और सुबह की दौड़-भाग है, तो भला टहलने का समय कैसे निकालें? एक रिसर्च ने इसका भी हल काफी हद तक निकाल दिया है। ये रिपोर्ट कहती है कि कुछ हलके-फुल्के शारीरिक श्रम से बात बन सकती है। शोध कैनेडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इस हालिया अध्ययन में पाया गया कि व्यायाम करने से डायबिटीज, हृदय रोग, गठिया, श्वसन रोग, अवसाद और कुछ प्रकार के कैंसर सहित 30 से अधिक पुरानी बीमारियों का रिस्क कम हो सकता है। इसके लिए आपको एचआईआईटी (छोटे-छोटे तीव्र अंतरालों के साथ व्यायाम करने का तरीका) वर्कआउट की भी जरूरत नहीं। बस मॉडरेट स्तर के श्रम से बात बन सकती है। ये बागवानी, योग या फिर तीव्र गति से चलने वाली गतिविधियां हो सकती हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि प्रति सप्ताह केवल 150 मिनट की मध्यम शारीरिक गतिविधि से बिना किसी शारीरिक गतिविधि की तुलना में सभी कारणों से होने वाली मृत्यु का जोखिम 31 फीसदी कम हो सकता है।मॉडरेट शारीरिक गतिविधि के कुछ उदाहरणों में बागवानी, बॉलरूम डांसिंग, योग, लॉन की घास काटना, वाटर एरोबिक्स और तेज चलना शामिल हैं - 'तेज' का मतलब है कम से कम 2.5 मील प्रति घंटे चलना।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने 2022 में एक शोध किया, जिसमें 30 साल में 100,000 से अधिक प्रतिभागियों का विश्लेषण किया। इसमें पाया गया कि जो व्यक्ति प्रति सप्ताह मॉडरेट शारीरिक गतिविधि में करीब 150-300 मिनट देते हैं, उनमें सभी कारणों से मृत्यु दर का 20-21 फीसदी कम रिस्क होता है। हालांकि चिकित्सकों की ये भी सलाह है कि 150 मिनट को एक दिन में ही नहीं पूरा करना चाहिए। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि एक दिन में सेहत के नाम किए गए 30 मिनट भी अच्छे हैं। अगर हेल्थ की फिक्र करने वालों की जमात में नए-नए शामिल हुए हैं, तो शुरुआत 10-10 मिनट की सैर से कर सकते हैं।

सार समाचार

कमरे में बंद कर बच्चे की गला घोंटकर हत्या

छतरपुर, देशबन्धु। बुधवार की शाम शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र की दुर्गा कॉलोनी में एज मानसिक रोगी द्वारा 11 वर्षीय बालक की गला घोंटकर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक दुर्गा कॉलोनी में रहने वाले राकेश कुशवाहा का 11 वर्षीय पुत्र मोनू शाम करीब 7 बजे पड़ोस में राजू कुशवाहा के घर मोबाइल चार्ज पर लगाने गया था। राजू के घर पर मानसिक रोग से ग्रसित एक व्यक्ति मौजूद था, जिसने अचानक मोनू को पकड़ लिया। वह उसे घसीटकर कमरे के अंदर ले जाकर मारपीट करने लगा। जब लोगों ने मोनू के चीखने की आवाजें सुनी तो मौके पर पहुंचे, वहां आरोपी मोनू का गला दबा रहा था। किसी तरह कमरे का दरवाजा खोला गया, लेकिन तब तक मोनू को मरणासन्न हो गया था। आनन–फानन में मोनू को जिला अस्पताल लेकर आए, जहां उसने दम तोड़ दिया।

शुभा तिवारी महिला सम्मान से विभूषित

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर की कुलगुरु प्रो शुभा तिवारी को प्रधानमंत्री भवन नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर महिला सम्मान से विभूषित किया है। उन्हेंयह गौरवपूर्ण सम्मान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान को लेकर दिया गया है। कुलगुरु प्रो तिवारी ने यह अवार्ड विश्वविद्यालय की नारी शक्ति को समर्पित किया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के सहयोगियों व प्रत्येक सदस्य का हृदय से आभार व्यक्त किया है, जिनके सहयोग से विश्वविद्यालय आगे बढ़ रहा है।

शादी में रस्में पढ़ाने गए पंडित की संदिग्ध हालात में मौत

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के ओरछा थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह में रस्में पढ़ाने गए पंडित की संदिग्ध हालातों में मौत हो गई है। मृतक की पहचान सुरेश अवस्थी 65 वर्ष निवासी बाईपास स्थित बनियन मुहल्ले के रुप में की गई है। बताया गया है सुरेश कर्मकांडी पंडित थे। वे गुरुवार की रात बाइक से चौकी पुरवा गांव में एक शादी समारोह में रस्में पढ़ाने गए थे। उनका शव बारात के डेरा के पास एक झोपड़ी में पाया गया है, शव में सिर, कमर और हाथों पर कई जगह चोट के निशान पाए जाने से मामला संदिग्ध हो गया है। मृतक के बेटे उमाशंकर ने बताया उसे सुबह 4 बजे फोन से पिता की दुर्घटना की सूचना मिली थी। हालांकि, मौके पर दुर्घटना के कोई सबूत नहीं मिले हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से जांच की मांग की है।

लोक अदालत आज

छतरपुर, देशबन्धु। जिला न्यायालय में 8 मार्च को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए जिला न्यायालय छतरपुर एवं तहसील न्यायालयों सहित कुल 29 खंडपीठे बनाई गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छतरपुर के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्दर सिंह के अनुमोदन के बाद जिला छतरपुर एवं तहसील न्यायालय नौगांव, बिजावर, लवकुशनगर, राजनगर, बड़ामलहरा सहित कुल 29 खंडपीठों का गठन किया गया है।

कृषि मंडी में अव्यवस्था का विरोध, व्यापारियों ने दी हड़ताल की चेतावनी

▸ अनाज तिलहन व्यापार संघ ने मंडी सचिव को पत्र दिया

सिरोंज, देशबन्धु। कृषि उपज मंडी में अव्यवस्था के विरोध में अनाज तिलहन व्यापार संघ ने मंडी सचिव को पत्र दिया। पत्र में कहा गया है कि विगत 1 महीने से मंडी में अवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है। मंडी समिति को बार–बार अवगत कराने के बावजूद समस्याओं का कोई समाधान नहीं हो पाया। मात्र 10 कर्मचारियों के भरोसे और दो मशीनों के द्वारा सौदा पत्रक काटा जा रहा है।

व्यापारी और किसान को एक–एक घंटे देरी से पर्ची मिल रही है इसमें 100 से लेकर 500 तक की भूल चूक हो रही है। इससे आए दिन किसान और व्यापारियों में विवाद हो रहा है मंडी में 50 कर्मचारी होने के बावजूद मात्र 10 कर्मचारियों की उपस्थिति मंडी की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न चिन्ह लगाती है। मंडी में सफाई की व्यवस्था बिल्कुल ठप है इतना सब होने के बाद भी व्यापारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए मंडी की नीलामी में भाग ले रहे हैं। पत्र के माध्यम से मंडी समिति को दो दिन का अल्टीमेटम दिया है अगर व्यवस्था नहीं सुधरी तो व्यापारी सोमवार से नीलामी में भाग नहीं लेंगे। पत्र देने वालों में समीर भार्गव, राजेश मित्तल, कमलेश जैन, राजेश जैन, मोंटू जैन, लोकेश जैन, मनीष जैन, प्रेमचंद जैन, पप्पू साहू, गगन तरण आदि व्यापारी मौजूद थे।

पौधारोपण कर मनाया जन्मदिन

सिरोंज, देशबन्धु। भाजपा नगर मंडल के अध्यक्ष सीताराम कुशवाहा ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन शुभ मंगल जन्म दिवस पार्क में पौधारोपण कर मनाया। कुशवाहा ने कहा है कि नगर पालिका द्वारा पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति में बनाए गए इस पार्क में सभी नागरिक अपना जन्म दिवस वृक्षारोपण कर बनाए जिससे पर्यावरण को लाभ पहुंचे।

सरपंच पर मकान बनाकर रास्ता रोकने का आरोप

सिरोंज, देशबन्धु। ग्राम मनीरामपुर के रामस्वरूप रघुवंशी ने सरकारी रास्ते की भूमि पर सरपंच कृष्णाबाई द्वारा मकान बनाकर रास्ता रोकने का आरोप लगाया है। इस संबंध में एक शिकायती पत्र एसडीएम हर्षल चौधरी को भी सौंपा गया है। पत्र में कहा गया है कि सरपंच द्वारा खाते की भूमि ग्राम मनीरामपुरा तहसील सिरोंज में से सी.सी. तथा पुलिया का निर्माण किया जा रहा है। जबकि सरपंच को भूमि में से सीसी रोड तथा पुलिया का निर्माण कराने का कोई अधिकार नहीं है। वह अपनी मनमानी कर की भूमि में से सी.सी. रोड तथा पुलिया वनवा रही है। मौके पर जांच की मांग की गई। पत्र में कहा गया है कि पूर्व में भी उक्त भूमि के रास्ता के संबंध में विवाद हो चुका है। पूर्व में जो पुराना रास्ता निकाला गया था उसका सर्वे में रास्ता दर्ज है, उक्त सरपंच रास्ते की भूमि पर मकान का निर्माण कर रही है। इस शिकायती पत्र पर एसडीएम चौधरी ने हल्का पटवारी को जांच के लिए निर्देशित किया है।

सिद्धचक्र महामंडल विधान का शुभारंभ

सिरोंज, देशबन्धु। आर्यिका रत्न श्री सृष्टी भूषण माताजी के ससंघ सान्निध्य में अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर चन्द्रप्रभ जिनालय कठाली बाजार में सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। सर्व प्रथम ध्वजारोहण समाज के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजीव जैन बंटी परिवार द्वारा किया गया। सौधर्म इन्द्र सवाई सिंघई डीके जैन, मैनासुन्दरी श्रीपाल कुवेर संदीप कल्पना विजय राज ,महायज्ञ नायक विजय भौरिया को बनने का सौभाग्य मिला। देव आज्ञा, गुरु आज्ञा, ध्वजारोहण,मंडप शुद्धि, मंडल शुद्धि, इन्द्र प्रतिष्ठा, दिक वंदना,रक्षामंत्र, शांति मंत्र,अभिषेक, शांति धारा, आरती,देव शास्त्र गुरु पूजन, नंदीश्वर पूजन एवं विधान के साथ आठ अर्घ्य समर्पित कर सिद्ध भगवान की आराधना की गई। यह अनुष्ठान आठ दिन तक चलेगा, प्रतिदिन द्विगुणित विस्तार के साथ सिद्धों की आराधना होगी। शाम 6.30 बजे से आचार्य भक्ति आनंद यात्रा, आरती प्रवचन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। सम्पूर्ण अनुष्ठान माता के सान्निध्य में, ब्रह्मचारी जीतू भैया,पं देवेन्द्र,पं बागमल जैन द्वारा कराया जा रहा है।

कुलगुरु प्रो शुभा तिवारी महिला सम्मान से विभूषित

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर की कुलगुरु प्रो शुभा तिवारी को प्रधानमंत्री भवन नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर महिला सम्मान से विभूषित किया है। उन्हेंयह गौरवपूर्ण सम्मान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान को लेकर दिया गया है। कुलगुरु प्रो तिवारी ने यह अवार्ड विश्वविद्यालय की नारी शक्ति को समर्पित किया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के सहयोगियों व प्रत्येक सदस्य का हृदय से आभार व्यक्त किया है, जिनके सहयोग से विश्वविद्यालय आगे बढ़ रहा है।

प्रभारी को मंडलों के कार्यकर्ताओं ने सौंपी आजीवन सहयोग निधि

▸ कार्यकर्ताओं के समर्पण और त्याग के कारण ही भाजपा सबसे बड़ा राजनैतिक संगठन : शर्मा

सिरोंज, देशबन्धु। भाजपा संगठन द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर होने वाले आजीवन सहयोग निधि के रूप में कार्यकर्ताओं से धनराशि एकत्रित करने के अभियान में विदिशा जिले के समर्पण राशि प्रभारी श्यामसुंदर शर्मा शुक्रवार को सिरोंज पहुंचे। दोपहर में विधानसभा सिरोंज के देवपुर मंडल एवं चितावर मंडल की आयोजित संयुक्त बैठक में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं के समर्पण और त्याग के कारण ही आज विश्व में भाजपा सबसे बड़ा राजनैतिक संगठन है। बैठक में एकत्रित ग्रामीण क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने संगठन के विस्तार के लिए अपनी निधि दी। इस दौरान बैठक में क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने भी सहभागिता की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन के मूल्यों, पंचनिष्ठाओं तथा संघर्ष के दौर में डॉ मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, कुशाभाऊ ठाकरे, राजमाता सिंधिया सहित अनेक नेताओं द्वारा संगठन को खड़ा करने में विपक्षी दलों से किए गए संघर्ष और योगदान के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने श्यामसुंदर शर्मा का केसरिया शाल एवं मिष्ठान भेंट कर सम्मान भी किया।

इसके उपरांत शाम चार बजे नगर मंडल की पृथक से बैठक आयोजित की गई। उल्लेखनीय हे की सिरोंज लटेरी विधानसभा को करीब दस लाख की निधि कार्यकर्ताओं से जुटाने का लक्ष्य दिया गया है। शुक्रवार को सिरोंज क्षेत्र के तीनों मंडलों की आयोजित बैठक में विधायक उमाकांत शर्मा के आव्हान पर करीब पांच लाख रुपए की समर्पण निधि एकत्रित हुई। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाव सिंह कुर्मी, सिरोंज विधानसभा के प्रभारी कैलाश शर्मा, हरि बाबू भार्गव, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि हमीर सिंह यादव, किसानमोर्चा के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र बघेल,चितावर मंडल अध्यक्ष चरण सिंह राजपूत, देवपुर मण्डल अध्यक्ष झार सिंह दांगी, नगर मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह, महामंत्री सुमंत मित्तल, हरिचरण अहिरवार जन भागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव आदि उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशेष

नारी शक्ति है सशक्त समाज की नींव

● सुश्री निर्मला भूरिया

नारी शक्ति केवल शब्द नहीं बल्कि समाज की आधारशिला है। जब एक महिला सशक्त होती है तो न केवल परिवार, बल्कि संपूर्ण समाज प्रगति की ओर बढ़ता है। मध्यप्रदेश सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए संकल्पबद्ध है। मेरा मानना है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के सही मायने महिलाओं को उनके अधिकार, अवसर और समानता देना है ताकि वे स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकें, समाज परिवार में अपनी पूर्ण क्षमता से भागीदारी दिखा सकें। महिलाओं का सशक्तिकरण, उनकी शिक्षा, उनके स्वास्थ्य, राजनीतिक व आर्थिक अवसरों, समानताओं और उनकी सामाजिक स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है।

2025 में, जब हम महिलाओं के विकास और सशक्तिकरण की दिशा में किए गए कार्यों की समीक्षा करते हैं, तो हम पाएंगे कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश–प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक और महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। महिलाएं अपनी पूरी क्षमता को समझ कर उसका उपयोग कर सके, महिलाओं को विभिन्न संस्थागत व्यवस्थाओं जैसे स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कैरियर एवं व्यावसायिक परामर्श / प्रशिक्षण, वित्तीय समावेशन, उद्यमिता आदि से जोडने, उन्हें मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिये विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं। महिलाएं आज हर क्षेत्र में अग्रणी और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाएं ऐसे–ऐसे कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं जिनकी कुछ वर्ष पूर्व कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।। आज की महिलाएं जागृत हैं और अनेक क्षेत्रों में नेतृत्व भी कर रही है। महिलाओं के विचारों और उनके जीवन मूल्यों से सुखी परिवार, आदर्श समाज और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की Women Led Government की अवधारणा के अनुरुप ही मध्यप्रदेश में महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने, उनकी सहभागिता बढ़ाने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के हर संकल्प को पूर्ण करने शिद्दत से कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश में किशोरी बालिकाओं, महिलाओं के सर्वांगीण विकास, संरक्षण, सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण, बेहतर स्वास्थ्य, पोषण के लिये विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य उन्हें हर क्षेत्र में सशक्त बनाना है। इनमें मिशन शक्ति अंतर्गत हब, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, वन स्टॉप सेन्टर, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, महिला हेल्पलाईन 181, सखी निवास, के साथ ही मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना–2023 और मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना आदि योजनाएं प्रमुख है। इसी अनुक्रम में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मंशा अनुसार प्रदेश में बालिकाओं और महिलाओं की उन्नति में चुनौतियों और बाधाओं के समाधान व समग्र सशक्तिकरण हेतु नारी सशक्तिकरण मिशन आरंभ किया जा रहा है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक विकास व सुरक्षा के साथ ही विभिन्न सरकारी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। मिशन के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन व समाज में आर्थिक भागीदारी बढाने हेतु प्रयास किये जावेंगे। विभिन्न विभागों के द्वारा संचालित योजनाओं से सम्बंधित विभागों के समन्वय से मिशन गतिविधि का संचालन होगा।

प्रदेश में आंगनवाडी सेवाओं और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया है, जिससे कुपोषण दर में भी कमी आई है। राज्य सरकार ने गर्भस्थ महिलाओं और शिशुओं की सुरक्षा के लिए वित्तीय संसाधनों की कोई कमी बाकी नहीं रखी। आंगनबाड़ी केन्द्रों का उन्नयन, रखरखाव एवं संचालन मध्यप्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में हमेशा से रहा है। इस दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि–परिषद ने प्रदेश की 12 हजार 670 मिनी आंगनवाडी केन्द्रों को पूर्ण आंगनवाडी केन्द्र के रूप में उन्नयन किए जाने का निर्णय लिया है। इसके लिये पर्यवक्षको के 476 नवीन पद. 12 हजार 670 आंगनवाड़ी सहायिका सहित कुल 13 हजार 146 नवीन पद स्वीकृत किए गए है। गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य–पोषण लिए संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश को योजना प्रारंभ से वर्ष 2022–2023 तक लगातार 5 साल राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। बेटियों, महिलाओं की सुरक्षा मध्यप्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है और इसके लिए राज्य सरकार ने कई कदम उठाए हैं। वन स्टॉप सेन्टर, महिला हेल्पलाईन 181 इसी उद्देश्य को लेकर कार्यरत हैं। प्रदेश के समस्त जिलों में संकट ग्रस्त महिलाओं की सहायता हेतु जिलों में 57 वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं, जिनके माध्यम से लगभग 1 लाख से अधिक महिलाओं को नि:शुल्क सहायता उपलब्ध कराई गई है। महिला हेल्पलाइन नंबर 181 जैसी योजनाओं के जरिए महिलाएं अपनी समस्याओं का समाधान तुरंत पा रही है। महिला अपराधों को रोकने तथा उसे प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शौर्य दल बनाए गए हैं। प्रदेश में ग्राम/वार्ड स्तर की प्रत्येक आंगनवाड़ी क्षेत्र में कुल 22.52 लाख से अधिक बालिकायें / महिलायें शौर्या दल की सदस्य है। मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वालों को मृत्यु दंड देने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश है। प्रदेश में मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 जैसी योजनाएं महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई हैं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से प्रदेश में लगभग 1.27 करोड़ महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। योजना अंतर्गत प्राप्त सहायता राशि से वे आर्थिक रूप से सशक्त होते हुए परिवार के निर्णयों में अपनी भागीदारी बढ़ा रही हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना में बालिकाओं को रूपये 1,43,000/– का आश्वासन प्रमाण पत्र दिया जाता है। इस योजना ने बालिका शिक्षा को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया है। बेटियों को स्कूल जाने के लिए साइकिल और कॉलेज के लिए स्कूटी वितरण का कार्य किया जा रहा है जिससे उनकी शिक्षा की सुविधा में कोई कठिनाई न आए।

राज्य सरकार ने बेटियों को डॉक्टर, इंजीनियर, जेईई, जज, सीए आदि परीक्षाओं की तैयारी का खर्च उठाने का जिम्मा स्वयं ले रखा है ताकि माता–पिता को इसके बोझ तले ना दबना पड़े। लाडली बालिकाओं को कक्षा 12वीं के स्नातक अथवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में (पाठ्यक्रम अवधि न्यूनतम दो वर्ष) प्रवेश लेने पर राशि रूपये 25,000/– की प्रोत्साहन राशि, दो समान किश्तों में (पाठ्यक्रम अवधि के प्रथम एवं अंतिम वर्ष मे) दिए जाने का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार की यही मंशा रही है कि प्रदेश की हर बेटी अपने सपने पूरा कर सके। इसी परिप्रेक्ष्य में मध्यप्रदेश में महिलाओं को निकाय चुनाव एवं शिक्षक भर्ती में 50 प्रतिशत, पुलिस भर्ती में 33 प्रतिशत और अन्य भर्तियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है।

बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ राज्य सरकार का ध्येय मंत्र है। मध्यप्रदेश में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ वर्ष 2015–2016 में प्रदेश के न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाले 06 छ: जिलों से प्रारंभ होकर अब प्रदेश के समस्त जिलों में संचालित हैं। इन योजनाओं के प्रभाव से प्रदेश के आंकड़ों में सकारात्मक सुधार हुआ है। बाल विवाह की संख्या में कमी आई है। हस्न ।।स–4 (वर्ष 2015–2016) के 32.4त्न से घटकर हस्न ।।स–5 (2020–2021) में 23.01त्न रह गया है। प्रदेश में जन्म के समय लिंगानुपात हस्न ।।स–4 (वर्ष 2015–2016) अनुसार 927 था जो हस्न ।।स–5 (2020–2021) के अनुसार बढ़कर 957 हो गया है। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। महिला सशक्तिकरण केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज के विकास की अनिवार्य शर्त है। मध्यप्रदेश सरकार महिलाओं के सर्वांगीण उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत है। आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में और अधिक प्रभावी कदम उठाएंगे।

(लेखिका मध्यप्रदेश सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)

संघर्ष से सशक्त नेतृत्व की ओर अग्रसर जनजातीय महिलाएं

● श्रीमती संपतिया उइके

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि यह अवसर है उन उपलब्धियों को सराहने का, जो महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में हासिल हुई हैं। साथ ही, यह दिन हमें यह सोचने का अवसर भी प्रदान करता है कि आगे का रास्ता क्या होना चाहिए। भारत जैसे देश में, जहाँ नारी को शक्ति और सहनशीलता का प्रतीक माना जाता है, वहाँ जनजातीय महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है।

जनजातीय महिलाएँ अपनी संस्कृति, परंपरा और स्वाभिमान की प्रतीक रही हैं। सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के कारण जनजातीय वर्ग की महिलायें लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से दूर रहीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार इस दूरी को समाप्त कर रही है। उद्देश्य यह नहीं कि वे केवल लाभार्थी बनें, बल्कि वे समाज की निर्णायक शक्ति बनकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश करें।सरकार की सोच यह नहीं कि महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभ मिले, बल्कि वे अपने निर्णय स्वयं ले सकें, अपने व्यवसाय और कार्यक्षेत्र में मजबूती से खड़ी हो सकें। प्रधानमंत्री वन धन योजना के तहत जनजातीय महिलाओं को उनके द्वारा संग्रहीत वन उपज का सही मूल्य दिलाने के लिए सशक्त तंत्र विकसित किया गया है। इससे न केवल उनकी आय बढ़ी है, बल्कि वे अब स्वयं का व्यवसाय भी कर रही हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिका शिक्षा को प्राथमिकता दी है, जिससे जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता देकर उनके पोषण और स्वास्थ्य की सुरक्षा कर रही है। स्टैंड–अप इंडिया योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को स्व–रोजगार हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे खुद के व्यवसाय की स्थापना कर सकें। मध्यप्रदेश सरकार भी इस दिशा में भी आगे बढ़कर कार्य कर रही है। पीछे नहीं है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में राज्य सरकार महिलाओं को प्रत्यक्ष आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है, जिससे उनके जीवन स्तर में बड़ा सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री आदिवासी महिला उद्यमिता योजना ने जनजातीय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हर घर जल योजना ने जल संकट से जूझ रही ग्रामीण और जनजातीय महिलाओं के लिए राहत प्रदान की है, जिससे उनका दैनिक जीवन सरल हुआ है। पेसा अधिनियम ने ग्राम सभाओं में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती प्रदान की है, जिससे वे अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और जागरूक हो रही हैं। अब वे अपनी ग्राम सभाओं में न केवल सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि अपने समुदाय की नीतियाँ तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही हैं। मैं स्वयं एक जनजातीय महिला हूँ। जीवन में संघर्ष मेरे लिए नया नहीं है। बचपन में परिवार की मदद के लिए ईंट–भट्टों पर मजदूरी से लेकर सरपंच, जिला पंचायत अध्यक्ष, राज्यसभा सदस्य और अब मध्यप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने तक का सफर आसान नहीं था। लेकिन मेरी पार्टी का संगठनात्मक सशक्तिकरण और मजबूत नेतृत्व ही है, जिसने मुझे और हमारे समाज की लाखों महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर दिए।

मेरी पार्टी ने सदैव जनजातीय समाज को प्राथमिकता दी है। जब देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति के रूप में श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मिलीं, तो यह केवल एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे जनजातीय समाज की उपलब्धि थी। यह इस बात का प्रमाण है कि अगर महिलाओं को सही अवसर और संसाधन मिलें, तो वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।

महिला सशक्तिकरण कोई एक दिन की प्रक्रिया नहीं है, यह एक निरंतर चलने वाली यात्रा है। यह केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है। महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि नीति–निर्माण और निर्णय लेने में भागीदार बनाना ही सही मायनों में सशक्तिकरण है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वतंत्रता के साथ समाज में उन्हें सम्मानजनक स्थान दिलाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज, जब दुनिया नारी शक्ति का सम्मान कर रही है, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि समाज के सबसे वंचित वर्ग– जनजातीय और अनुसूचित जाति की महिलाएँ–विकास की मुख्यधारा से जुड़ें। मेरा सभी माताओं, बहनों और बेटियों से आग्रह है कि वे सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ उठाएँ, आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाएँ और अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ें। जब महिलाएँ आगे बढ़ेंगी, तो समाज और देश भी नई ऊँचाइयों को छुएगा।

(लेखिका मध्यप्रदेश सरकार में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री हैं)

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

हार्वेस्टर एवं भूसा मशीन के मालिक एवं चालक के लिए आदेश जारी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम जिले में रबी फसल 2025 की कटाई का कार्य प्रारंभ होने जा रहा है। फसल कटाई के दौरान कृषकगण मुख्यत: भूसा मशीन एवं हार्वेस्टर का उपयोग बिना सुरक्षात्मक उपायों के बहुतायत में करते है। प्राय: सुरक्षा का पर्याप्त इंतजाम न होने के कारण हार्वेस्टर से उत्पन्न होने वाली चिंगारी से खड़ी फसलों में आगजनी की घटनाएं होती हैं, जिससे स्वयं किसान के अतिरिक्त पड़ोसी कृषकों की फसल का भी नुकसान होता है।

उक्त बात को दृष्टिगत रखते हुए अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम डीके सिंह ने हार्वेस्टर तथा भूषा मशीन के मालिक एवं चालक के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार 1- भूसा मशीन का उपयोग प्रात: 11 से सांय 5 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। समस्त हार्वेस्टर मालिक/चालक जिले में स्थित किसी भी पुलिस थाने में अपना पंजीयनमय नाम, पता एवं मोबाईल नंबर दर्ज करायेगें। फसल कटाई के दौरा हार्वेस्टर मालिक/चालक को दो अग्निशामक यंत्र चालू अवस्था में तथा अन्य सुरक्षात्मक उपायों को कार्य के दौरान साथ में रखना अनिवार्य होगा। भूसे की मशीन का उपयोग 02 अग्निशामक यंत्रों के किया जावेगा, बिना अग्निशामक यंत्र/सुरक्षात्मक उपायो के भूसा मशीन का उपयोग किया जाना निषेध होगा। रात्रि में हार्वेस्टर दवारा फसल कटाई अथवा भूसा मशीन का उपयोग संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव अथवा कोटवार को पूर्व सूचना देकर ही किया जा सकेगा। हार्वेस्टर/भूसा मशीन के मालिक/चालक के बिना अग्निशामक यंत्र/सुरक्षात्मक उपायों के फसल कटाई/भूसा बनाने का कार्य न करें, एवं संबंधित ग्राम की समस्त फसल कटाई उपरांत ही भूसा मशीन का उपयोग किया जावे। उक?त आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 अंतर्गत जारी किया गया है। उक्त आदेश का उल्लंघन करने पर धारा 223 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

केन्द्रीय राज्य मंत्री उइके आज नर्मदापुरम जिले के भ्रमण पर रहेंगे

नर्मदापुरम, देशबन्धु। केन्द्रीय राज्यमंत्री, जनजातीय कार्य विभाग दुर्गा दास उइके शनिवार 8 मार्च को नर्मदापुरम जिले के भ्रमण पर रहेंगे। श्री उइके ग्राम सहेली में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजनांतर्गत होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मिलित होंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री उइके प्रात~9 बजे बैतूल से रवाना होकर प्रात~10.30 बजे ग्राम सहेली पहुंचेगे। श्री उइके प्रात~11 बजे ग्राम सहेली में मुख्यमंत्री कन्यादान योजनांतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे तथा दोपहर 2 बजे ग्राम सहेली से बैतूल के लिए प्रस्थान करेंगे।

जन औषधि दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य शिविर, सांसद ने देखी जन औषधि केंद्र की गुणवत्ता

नर्मदापुरम, देशबन्धु। शुक्रवार 7 मार्च को जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में प्रधानमंत्री सातवां जन औषधि केंद्र दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिसमें राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, सिविल सर्जन डॉ सुनीता कामले, डॉ आर माहेश्वरी, डॉ संजय पुरोहित सहित

अन्य स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। एनसीडी परिसर में 35 नागरिकों की शुगर बीपी एवं अन्य पैथोलॉजी जांच चिकित्सकों पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा की गई। शिविर के दौरान सांसद द्वारा जन औषधि केंद्र की गुणवत्ता का अवलोकन किया गया तथा उपलब्ध मरीजों से जन औषधि केंद्र के बारे में जानकारी पता की गई जिसमें आए लोगों ने बताया कि हम इस जन औषधि केंद्र से बाजार से सस्ती दर पर दवाइयां लेकर स्वास्थ्य लाभान्वित हो रहे हैं एवं इस जन्म औषधि केंद्र के माध्यम से हमारे ऊपर आर्थिक बोझ कम हो रहा है एवं अन्य मरीजों से इस केंद्र का लाभ लेने के लिए अपील की गई।

पारसडोह जल परियोजना में 150 एकड़ जमीन सिंचाई से वंचित

बैतूल, देशबन्धु। मुलताई तहसील के ग्राम निमनवाड़ा के किसानों ने पारसडोह जल परियोजना की स्कीम नंबर 03 के तहत 150 एकड़ असिंचित भूमि में सिंचाई सुविधा बहाल करने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। किसानों का कहना है कि चक नंबर 82-81 और चक नंबर 83-82 के बीच की भूमि को कागजों में सिंचित बताया गया है, लेकिन यहां पर कोई सिंचाई सुविधा उपलब्ध नहीं है। जबकि इस क्षेत्र से होकर मुख्य पाइपलाइन भी गुजरी है। ज्ञापन का नेतृत्व कर रहे किसान नेता हर्षवर्धन धोटे और अन्य किसानों ने बताया कि इस इलाके की बाकी जमीनें सिंचित हैं, लेकिन 150 एकड़ की यह भूमि अब तक पानी से वंचित है। किसानों को मजबूरन बारिश पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे फसल उत्पादन पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने मांग की कि जल संसाधन विभाग तुरंत हस्तक्षेप करे और इस भूमि में सिंचाई के उचित प्रबंध कराए। इस दौरान ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से किसान युवराज धोटे, यादोराव धोटे, मंगी धोटे, मारुति धोटे, नारायण अनिल, रामराव भोपते, गुलाबराव भोपते, भीमा पंडाग्रे, खुशराज धोटे, साहेबराव, माधवराव, महेश सोनी, संतोष प्रयागराव भोपते, हेमंत, रमेश, लक्ष्मण, गणेश, महादेव, नारायण, कृष्णराव, सुरेश, कन्हैया समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे। किसानों ने जल संसाधन विभाग और प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने की मांग की है।

अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में किसान संघ के पदाधिकारी के साथ बैठक संपन्न

जिले के किसानों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई चर्चा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अपर कलेक्टर डीके सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को किसान संघ के पदाधिकारियों के साथ रेवा सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान किसान हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। अपर कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसानों संघों द्वारा जिन समस्याओं से अवगत कराया गया है उन समस्याओं का यथोचित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना द्वारा अपर कलेक्टर श्री डीके सिंह को किसान संगठनों के साथ समन्वय स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं का समाधान किए जाने के लिए नियुक्त किया है। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अपर कलेक्टर श्री डीके सिंह की अध्यक्षता में गत दिवस भी बैठक आयोजित की गई थी।

बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्री सिंह ने किसान संघों द्वारा नहर, स्लॉट बुकिंग फसल बीमा, ऋण, राजस्व संबंधी समस्याएं, न्यायालय प्रकरण, बिजली संबंधित समस्याएं, मंडी में व्यवस्थाओं सहित अन्य मामलो को गंभीरतापूर्वक सुन कर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उक्त सभी मामलों में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

किसान संगठनों द्वारा ग्रीष्मकालीन मूंग फसल के लिए नहरों से पानी की आपूर्ति किए जाने के संबंध में 4200 क्यूसेक पर नहरो से पानी छोड़े जाने सहित टेल क्षेत्र तक पानी पहुंचाने की मांग की गई। इसी के साथ संघ के पदाधिकारी द्वारा नहरो की नियमित रूप से पेट्रोलिंग एवं उनकी मरम्मत तथा नहरो पर हुए अवैध कब्जे हटाने के संबंध में भी अधिकारियों को अवगत कराया गया। ईई जल संसाधन विभाग द्वारा समस्त किसान संगठनों को आश्वस्त किया गया की मांग के अनुरूप नियमानुसार यथासंभव उचित कार्यवाही की जाएगी।

किसान संगठनों द्वारा स्लॉट बुकिंग की अवधि 10 दिन किए जाने के संबंध में भी मांग की गई। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए की किसान संगठनों की उक्त मांग के संबंध में शासन स्तर पर पत्राचार किया जाए, साथ ही उसकी एक प्रति संघ के पदाधिकारी को भी उपलब्ध करवाई जाए। किसान संगठनों की राइस मिल द्वारा खुले में भूसा फेंकने तथा उसके दुष्प्रभाव के संबंध में भी बैठक के दौरान शिकायत प्रस्तुत की गई। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देशित किया है कि राइस मिल संचालकों को नोटिस द्वारा उक्त समस्या के संबंध में सूचित किया जाए। इसी प्रकार अपर कलेक्टर ने राजस्व संबंधी मामलों जैसे नामांतरण सीमांकन बटवारा आदि के नियम अनुसार निराकरण किए जाने के लिए भी संगठनों को आश्वासन दिया। उन्होंने राजस्व मामला से संबंधित कुछ भ्रांतियां का भी तत्काल रूप से समाधान किया तथा बताया कि राजस्व निराकरण न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत किया जाता है, इसमें अलग-अलग स्तर पर कार्यवाहियां एवं अपील सुनिश्चित की जाती है।

किसान संगठनों द्वारा कुछ क्षेत्रों में बिजली सब स्टेशन बनाने जैसी समस्याओं को बैठक के दौरान अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिस पर महाप्रबंधक मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा बताया गया कि जिन जगहों पर सब स्टेशन स्थापित किए जाने जैसी जानकारी दी जा रही है उन स्थानों पर अभी सब स्टेशन प्रस्तावित है एवं स्वीकृति के पश्चात ही प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। किसान संगठनों ने इटारसी मंडी की पेयजल शौचालय आदि अव्यवस्थाओं को सुधारने के लिए बैठक के दौरान मांग की गई जिस पर मंडी सचिव द्वारा किसान संगठनों को आश्वासन दिया गया है कि सुव्यवस्थित कार्य योजना तैयार कर सभी अनियमिताओं को सुधारा जाएगा, मंडी में जाम लगने जैसी समस्याओं का भी शीघ्र समाधान कर टोकन प्रणाली लागू की जाएगी। इसी प्रकार मंडी में तोल कांटों की व्यवस्था बढ़ाने की किसान संगठन की मांग पर भी गंभीरता पूर्वक विचार किया जाएगा जिससे किसानों को असुविधा न हो। बैठक के दौरान उपसंचालक कृषि द्वारा किसानों को मूंग की नई किस्म की उपलब्धता के संबंध में भी अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष किसानों को आवश्यकतानुसार बीज उपलब्ध करवाया जायेगा। आगामी वर्ष से कुछ नई किस्मों के बीज की सरप्लस व्यवस्था भी की जाएगी। बैठक के दौरान राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंगठन, राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य सहित अन्य जिला अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रकरण प्राथमिकता से स्वीकृत और वितरित कराएं ~कलेक्टर

जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक आयोजित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। हम सबके संयुक्त प्रयास से ही शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ उनके वास्तविक हितधारक तक पहुंच सकता है। उक्त बात कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने शुक्रवार को आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक के दौरान समस्त बैंकर्स को संबोधित करते हुए कही।

कलेक्टर ने कहा कि सभी बैंकर्स लक्ष्य पूर्ति के लिए हर संभव कार्यवाही करें। उन्होंने सभा में उपस्थित सभी बैंकर्स को संबोधित करते हुए कहा कि स्वप्रेरित होकर बेहतर कार्य करें। जिन योजनाओं में लंबित प्रकरणों की संख्या अधिक है उन पर विशेष ध्यान दिया जाए। पीएमएफएमई योजना अंतर्गत स्वीकृत मामलों के तहत तेजी से संवितरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने उपसंचालक उद्यानिकी को निर्देशित किया की योजना के तहत अपात्र किए गए प्रकरणों की जानकारी कारणों सहित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को देवें। कलेक्टर ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विकास के स्वरोजगार योजना उद्यम योजना के तहत अपात्र किए गए मामलों का दोबारा परीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रकरणों को अपात्र करने से पूर्व संबंधित आवेदनकर्ता को उचित मार्गदर्शन दिया जाए जिससे कि वह समस्त खाना पूर्ति कर दोबारा योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सके। उन्होंने कहा कि योजना में आवेदनों को अपात्र करने के संबंध में संबंधित विभागों को भी सूचना दी जाए। बैंकर्स शासन की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के संबंध में संवेदनशीलता बरतें।

कलेक्टर ने कहा कि रिहा हो चुके बंदियों को मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनके पुनर्वास के लिए शासन की योजनाओं के तहत जो लाभ वितरण किया गया है वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सभी बैंकर्स इसी प्रकार से प्रगति को बनाए रखे साथ ही संबंधित अधिकारी भी ऐसे सभी प्रकरणों जिनमे लाभ वितरण किया गया हो उनके लाभार्थियों से समन्वय स्थापित कर नियमित रूप से फॉलो अप लेते रहे। कलेक्टर ने पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, सामाजिक सुरक्षा एवं अटल पेंशन योजना से जुड़े हितग्राहियों की की विस्तार पूर्वक समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी लीड बैंकर्स जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को योजना से जुड़े हितग्राहियों की जानकारी सहित सूची उपलब्ध करवाई जाए जिससे उन्हें योजना से जुड़े लाभ को तत्काल रूप से उपलब्ध कराया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन ही सभी का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने विभाग प्रमुखों को भी निर्देशित किया कि अधिक सक्रियता के साथ लंबित मामलों के निराकरण के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। कलेक्टर ने जिले में बैंकिंग आंकड़े तथा वार्षिक सखी योजना 2024 25 की प्रगति, किसान क्रेडिट कार्ड शिक्षा ऋण प्रधानमंत्री मुद्रा योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन भगवान बिरसा मुंडा योजना संत रविदास स्वरोजगार योजना सावित्रीबाई फुले स्व सहायता समूह योजना सहित अन्य हितग्राही मूलक योजनाओ की विस्तार पूर्वक समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र, एलडीएम आरडी वाघेला, सहित मुख्य बैंकों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक ने ग्राम हीरापुर में किया विकास कार्यों का भूमि पूजन

हरदा, देशबन्धु। हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने ने शुक्रवार को ग्राम हीरापुर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं जानी व संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का तत्काल निराकरण किए जाने हेतु निर्देशित किया ।

विधायक डॉ. दोगने ने ग्रामीणजनों की मांग पर ग्राम हीरापुर में सार्वजनिक चबूतरा निर्माण कार्य कराये जाने हेतु विधायक निधि से एक लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। जिसका भूमि पूजन हरदा विधायक डॉ. दोगने ने समस्त कांग्रेसजनों व ग्रामवासियों के साथ मिलकर किया। साथ ही ग्राम में पंचायत निधि की राशि से निर्मित होने वाले सी.सी. सड़क मार्ग का भी भूमि पूजन किया गया। ग्राम को मिली उक्त सौगात के लिए समस्त ग्रामवासियों ने विधायक डॉ. दोगने का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती साधना मनीष व्यास, उप सरपंच श्रीमती रीना ओम प्रकाश गुर्जर, ग्राम सचिव मेहताब गौर, सहायक सचिव नामी धार्मिक, अनिल सूरमा, कैलाश पटेल, राजेश गुर्जर, अखिलेश गुर्जर, रोहित गुर्जर, रामविलास गुर्जर, काशीराम, संतोष, पूनम यादव, विनय मालवीय सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे।

गौर के झुंड ने दो बाघों को खदेड़ा

सोहागपुर, देशबन्धु। सतपुडा टाईगर रिज़र्व मढई में आज जंगल सफारी के दौरान अद्भुत नजारा देखने को मिला। पर्यटकों को जंगल सफारी के दौरान दो बाघ देखने मिले ,जिसमे से 1 बाघ रास्ते मे आराम फरमाते अंगड़ाई लेते हुए दिखाई दिया, तो वही दूसरा बाघ जंगल के अंदर दिखाई दिया जो छुपा कर शिकार की तलाश में बैठा था। तभी वहां पर एक गौर आ गया, उसके शिकार करने के लिए बाघ घास में छुप गया।। लेकिन गोर को टाईगर

के होने का आभाष हो गया और गौर ने आवाज कर आने अन्य साथीयों को बुला लिया। गौर के झुंड देखकर बाघ उठा ओर अपने साथी टाइगर के पास जाने गौर का झुंड पीछे-पीछे उसके खड़े रहते हुए बढ़ रहा था। जंगल से निकलकर पहला बाघ रास्ते पर बैठे टाइगर के पास पहुंचा। दोनों ने गौर के झुंड को आता देखकर रास्ते में बैठा टाइगर भी वहां से भागने लगा, जब तक दोनों बाघ उसे क्षेत्र से नहीं चले गए गौर के समूह ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। हार मान मानकर दोनों टाइगरों को उस क्षेत्र को छोड़ना पड़ा। इस नजारे को देखकर जिप्सी में बैठे पर्यटक काफी रोमांचित हुए, उन्होंने यह नजारा पहली बार देखा।

नार्मदीय ब्राहमण समाज की कार्यकारिणी गठन के लिए 9 को डाले जायेंगे वोट

हरदा, देशबन्धु। श्री नार्मदीय ब्राह्मण समाज, हरदा के आगामी 9 मार्च को लगभग 2 हजार मतदाता प्रत्यक्ष प्रणाली के तहत मतदान कर समाज की नई कार्यकारिणी का गठन करेंगे।

समाज के मुख्य निर्वाचन अधिकारी शिशिर गार्गव ने प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि विगत एक माह से समाज की निर्वाचन टीम के द्वारा नगर में निवासरत सभी सामाजिक सदस्यों के घर घर जाकर मतगणना सर्वे का कार्य संपादित किया गया। उन्होंने बताया कि श्री नार्मदीय ब्राह्मण समाज की देश भर में स्थापित 44 इकाइयों में हरदा इकाई के इस नवाचार को समाज की महासभा भी अनुमोदित कर चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रत्यक्ष प्रणाली के तहत समाज का प्रत्येक वह सदस्य जिसकी उम्र 18 वर्ष है मतदाता होता है। वर्तमान में हरदा नगर में लगभग 1588 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें लगभग 527 मतदाता युवा तथा 162 युवा पहली बार मतदान करेंगे। उन्होंने बताया कि लगभग 189 मतदाता 70 वर्ष से अधिक उम्र के हैं, इनमे से सामाजिक निर्वाचन समिति द्वारा लगभग 74 मतदाताओं को घर मतदान करने हेतु विशेष सुविधा प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि 9 मार्च को सुबह 8 बजे से धर्मशाला परिसर में मतदान की प्रक्रिया आरंभ होगी जो शाम 4 बजे तक चलेगी। इसके बाद मतगणना तथा परिणामों की घोषणा तथा निर्वाचित सदस्यों को जीत का प्रमाण पत्र दिया जाएगा।मतदाताओं की सुविधा के लिए धर्मशाला परिसर के बाहर महिलाओं, बुजुर्गो के लिए पृथक पृथक विश्राम स्थल बनाए जा रहे हैं तथा पूरी प्रक्रिया का बड़ी एलईडी स्क्रीन पर लाइव प्रसारण भी किया जाएगा । इस अवसर पर सामाजिक निर्वाचन समन्वय समिति के अध्यक्ष अशोक नेगी ने बताया कि पूरे देश में हरदा नगर नार्मदीय ब्राह्मण समाज के लिए नवाचार का गढ़ रहा है। प्रत्यक्ष प्रणाली से कार्यकारिणी का गठन किए जाने की शुरुआत भी हरदा से वर्ष 2020 में शुरू हुई थी। जिसे अब देश की अन्य इकाइयों में भी जल्द लागू किए जाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरदा में आयोजित होने वाले इस निर्वाचन महाकुम्भ को देखने तथा प्रक्रिया को समझने के लिए देशभर से कई सामाजिक प्रबुद्धजन 9 मार्च को हरदा पहुँच रहे हैं ।

कनेक्शन काटने, ज्यादा राशि के बिल देने पर गुस्साए लोग

बिजली कंपनी के चांदबड़ दफ्तर में किया हंगामा

भोपाल,देशबन्धु। बिजली कलेक्शन काटने और ज्यादा राशि के बिल देने के विरोध में गुरुवार को कई लोगों ने भोपाल के चांदबड़ स्थित बिजली कंपनी के जोन कार्यालय में हंगामा कर दिया। उन्होंने ऑफिस का घेराव करते हुए अफसरों पर मनमानी करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि बिजली कंपनी मनमाने तरीके से बिजली की रीडिंग करके बिल भेज रही है। जब बिल जमा नहीं करते हैं तो जुर्माना वसूल किया जा रहा है। वहीं, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बिजली कनेक्शन भी काटे जा रहे हैं, जो कि गलत है।

कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में यह हंगामा और घेराव किया गया। लोगों ने एई रविंद्र अग्रवाल का घेराव करके उनसे बात की। कांग्रेस नेता शुक्ला ने बताया, बड़ी संख्या में लोगों ने अवैध वसूली और फर्जी चालान के चलते चांदबड़ जोन कार्यालय का घेराव किया और एई अग्रवाल से जवाब मांगा। रहवासियों ने बिजली विभाग स्मार्ट मीटर लगाने के बहाने पुराने मीटर को निकालकर जबर्दस्ती मीटर में गड़बड़ी का हवाला देकर अवैध वसूली करने का आरोप भी लगाया। शुक्ला ने कहा कि प्रकरण बनाकर गरीबों को अवैध वसूली के नोटिस थमा दिए गए हैं। वहीं,

चोरी का बहाना बनाकर रहवासियों की बिजली काटी जा रही है। यदि बिजली कंपनी द्वारा बनाए गए झूठे प्रकरणों की सही से जांच कर उनका निराकरण नहीं किया गया तो वह जल्द ही इन सब समस्याओं का सभी रहवासियों के साथ चीफ इंजीनियर कार्यालय का घेराव करेंगे। इस अवसर पर विजेंद्र शुक्ला, मुकेश पंथी, तारिक अली, मोहम्मद आमिर, अमित खत्री आदि मौजूद थे।

अवकाश के दिनों में खुलेंगे बिजली बिल भुगतान केन्द्र

भोपाल,देशबन्धु। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 8 मार्च शनिवार, 9 मार्च रविवार, 14 मार्च होली, 15 मार्च शनिवार, 16 मार्च रविवार, 19 मार्च रंगपंचमी, 22 मार्च शनिवार, 23 मार्च रविवार तथा 31 मार्च ईद-उल-फितर को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे। भोपाल शहर वृत्त के अंतर्गत चारों शहर संभाग यथा पश्चिम, पूर्व, दक्षिण तथा उत्तर संभाग के अंतर्गत सभी जोनल कार्यालय और दानिश नगर, मिसरोद, मण्डीदीप में बिल भुगतान केन्द्र उक्त अवकाश के दिन भी सामान्य कार्य दिवस की तरह खुले रहेंगे। बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि वे राजधानी के जोनल आफिस में पीओएस मशीन से कैश के जरिए बिल भुगतान तथा ऑनलाइन माध्यम से भी बिल भुगतान कर सकते हैं। कंपनी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी 16 जिलों में बिजली वितरण केन्द्र/बिल भुगतान केन्द्र अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे। इसके लिए सभी मैदानी महाप्रबंधकों को निर्देशित किया गया है।

ऑनलाइन भुगतान करें और पाएं छूट: मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निम्नदाब घरेलू उपभोक्ताओं को ऑनलाइन भुगतान करने पर उनके कुल बकाया बिल पर 0.50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है साथ ही अधिकतम छूट के लिए कोई सीमा बंधन नहीं है। इसी प्रकार उच्चदाब उपभोक्ताओं को प्रति बिल कैशलेस भुगतान पर 100 रूपये से 1000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से बिजली का बिल ऑनलाइन भुगतान करने की अपील की है। कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं को एम.पी.ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर, कंपनी पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम एप एवं उपाय मोबाइल एप के माध्यम से बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

अभिमत

ओडिशा में देसी बीज सुरक्षा मंच की पहल ने किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ा है। उन्हें जैव खाद व जैव कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण दिया है। देसी बीज बैंक बनाए हैं, जिससे देसी बीजों की सुरक्षा के साथ-साथ उनका संवर्धन भी हो रहा है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण भी हो रहा है और खेती में लागत खर्च कम हो रहा है। और लोगों को जैविक उत्पाद व जैविक भोजन उपलब्ध हो रहा है। किसान आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। इसके अलावा, जैविक खेती का विस्तार किचन गार्डन (सब्जी बाड़ी) तक हुआ है। स्कूली बच्चों को जोड़ा गया है जो महत्वपूर्ण है।

आत्मनिर्भर खेती की पहल

नवाचार

■ **बाबा मायाराम**

अब रासायनिक खेती के दुष्परिणाम सामने आ गए हैं। देश के किसान भी अब इसे बखूबी समझ गए हैं। इसी के मद्देनजर ओडिशा में देशी बीज सुरक्षा मंच काफी सक्रिय है। हर साल देसी बीज मेला भी आयोजित किया जाता है। उनकी इस पहल से कई किसान जुड़ रहे हैं। मैं कई बार ओडिशा गया हूं और इस मंच के सक्रिय कार्यकर्ताओं से मिला हूं। आज इस कॉलम में जैविक खेती की अनूठी पहल पर चर्चा करना उचित होगा, जिससे इस पहल को समग्रता से समझा जा सके।

यह बदलाव की कहानी है पिछली कुछ सालों से चल रही है। देसी बीज सुरक्षा मंच के संयोजक सरोज भाई व कार्यकर्ता दशरथी बेहरा ने बताया कि वर्ष 2013 में इस मंच की स्थापना हुई। हालांकि अनौपचारिक रूप से इसकी प्रक्रिया पहले शुरू हो गई थी। इस काम को आगे बढ़ाने में प्रगतिशील किसान, गैर सरकारी संगठन ने योगदान दिया है।

यह बदलाव की कहानी है पिछली कुछ सालों से चल रही है। देसी बीज सुरक्षा मंच के संयोजक सरोज भाई व कार्यकर्ता दशरथी बेहरा ने बताया कि वर्ष 2013 में इस मंच की स्थापना हुई। हालांकि अनौपचारिक रूप से इसकी प्रक्रिया पहले शुरू हो गई थी। इस काम को आगे बढ़ाने में प्रगतिशील किसान, गैर सरकारी संगठन ने योगदान दिया है।

मंच के संयोजक सरोज भाई ने बताया कि मंच का उद्देश्य देसी बीजों की सुरक्षा और संवर्धन करना है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, बाजार पर निर्भरता को कम करना और समाज व किसान को आत्मनिर्भर बनाना है। भोजन में पोषणयुक्त खाद्य शामिल करना है। ऋणमुक्त किसान और जहरमुक्त अनाज करना है, जिससे समाज स्वस्थ बने और किसानी बची रहे।

जब मैं पिछले साल ओडिशा के बरगढ़ शहर गया तो मंच के कार्यकर्ता दशहरी बेहरा से लंबी बातचीत हुई थी। उन्होंने मुझे बीज बैंक दिखाया था, और खेती से जुड़ा साहित्य व पोस्टर प्रदर्शनी दिखाई थी। उन्होंने बताया कि मंच के प्रयासों से पौष्टिक अनाजों की खेती की ओर भी किसानों का ध्यान गया है और वे इनकी खेती कर रहे हैं।

कुछ साल पहले मुझे दशहरी बेहरा के साथ रायगड़ा जिले का दौरा करने का मौका मिला था, वहां हमने मिश्रित खेती करने वाले कई किसानों से बातचीत की थी। पौष्टिक अनाजों की खेती करने वाले आदिवासियों के खेत देखे थे। मंच अपने वार्षिक कार्यक्रमों में किसानों को जोड़ने के लिए प्रयासरत है।

देसी बीज सुरक्षा मंच ने प्राकृतिक जैविक खेती को बढ़ावा दिया है। इसके तहत किसानों को केंचुआ खाद, हांडी खाद और जैव कीटनाशकों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया है। इससे खेती में लागत खर्च कम हुआ है, मिट्टी में सुधार हुआ है, और उत्पादन बढ़ा है। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए इलाके में प्रशिक्षणकर्ता तैयार किए हैं, जो किसानों को जैविक खाद व जैव कीटनाशक तैयार करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं।

इसके अलावा, समुदाय आधारित 20 बीज बैंक बनाए गए हैं। इनमें 1300 धान की देसी किस्में, 90 सब्जी के देसी बीज, 10 दलहन के बीज शामिल हैं। इसके साथ ही 10 स्कूलों में किचन गार्डन का काम किया जा रहा है। इसे स्कूली पाठ्यक्रम से भी जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मंच से गैर सरकारी संस्थाएं, जैविक खेती करने वाले किसान और जागरूक नागरिक जुड़े हैं। यहां के मीडिया ने भी इस खेती के प्रचार-प्रसार में मदद दी है।

जैविक खेती के किसान सुदाम साहू बताते हैं कि वे बहुत कम उम्र से खेती करने लगे थे। जब वे 7 वीं कक्षा में पढ़ते थे, तब से उनके मां-बाप के साथ खेती सीख रहे थे। पर रासायनिक खेती में उनका मन नहीं लगता था। उसमें नुकसान भी हो रहा था तब देसी बीज सुरक्षा मंच से संपर्क हुआ। और इसके बाद उन्होंने वर्धा (महाराष्ट्र में गांधी जी की कर्मस्थली) में हांडी जैव खाद बनाने का प्रशिक्षण लिया। गाय का ताजा गोबर, महुआ फूल, गुड़ आदि को मिलाकर इसे तैयार किया जाता है।

इसी प्रकार, जैव कीटनाशक बनाने की विधियां सीखी। हालांकि वे कहते हैं कि देसी बीजों की फसलों में ज्यादा कीट नहीं लगते। उनमें मौसम बदलाव के दौर में भी अच्छा उत्पादन देने की क्षमता होती है।

उन्होंने गांव में देसी बीज बैंक भी बनाया है, जिसमें देसी धान की 1000 किस्में संग्रहित हैं। वे उनकी फसल को जैविक बाजार में बेचते हैं। बरगढ़ में जैविक बाजार भी शुरू हुआ है, जो सप्ताह में दो दिन लगता है। इसके अलावा, उनके घर खेत से लोग उनसे धान बीज खरीद लेते हैं। बीज के लिए बाहर से भी मांग होती है। उनके पास काले चावल की 14 किस्में हैं और लाल चावल की 60 किस्में हैं। कुछ नकदी के लिए चावल बनाकर बेचते हैं।

घिंडौलमाल गांव के ब्रम्हा बताते हैं कि वे खेत में देसी धान लगाते हैं जिनमें जगन्नाथ भोग, रागिनी सुपर धान किस्में शामिल हैं। जैव कीटनाशक खुद बनाते हैं। ब्रम्हास्त्र, बज्रास्त्र, जीवामृत, घना जीवामृत। खेतों में कीट लगने पर इनका छिड़काव करते हैं। उन्होंने सब्जियों की खेती भी की है। टमाटर, बैंगन, सहजन, पपीता, नींबू लगाया है। जिससे ताजी हरी सब्जियां मिले व पोषणयुक्त भोजन मिले।

सुंदरगढ़ जिले के धरवाडीह के सूरतराम बताते हैं कि वर्ष 2012 से जैविक खेती कर रहे हैं। उनका 5 एकड़ खेत है। जिसमें वे अलग-अलग फसलें लगाते हैं। जमीन के एक टुकड़े में उन्होंने 70 देसी धान की किस्में लगाई हैं। इसमें से कुछ कुसुमकली, रागिनी सुपर और सोनाकाठी का चावल बेचते हैं। इन किस्मों की बाजार में मांग है।

वे खेत की जमीन को उपजाऊ बनाने के लिए धनधा (हरी खाद) उगाते हैं। और थोड़ा बड़ा होने पर उसे खेत की मिट्टी में मिला देते हैं, जिससे वह जैव खाद में तब्दील हो जाती है। और जमीन उर्वर बनती है।

उन्होंने बताया कि 1 एकड़ धान की खेती में लगभग 9 हजार का लागत खर्च आता है। और 11-12 चिंटल धान उत्पादन होता है। कुसुमकली धान की किस्म में उत्पादन ज्यादा होता है, जो 14-15 क्विंटल तक पहुंच जाता है। उनके उत्पाद की साख बन गई है, उनका जैविक चावल घर से ही बिक जाता है। अब धीरे-धीरे जैविक खेती का चलन बढ़ रहा है।

इसके साथ ही हमें किसानों को इस दिशा में भी प्रोत्साहित करना चाहिए कि खेती की ऐसी तकनीक अपनाई जाए जिससे बाहरी निर्भरता कम से कम हो और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग पर अधिक जोर दिया जाए। सूखे व प्रतिकूल मौसम में परंपरागत बीजों में सूखे व प्रतिकूल मौसम सहने की क्षमता होती है। किसानों ने सैकड़ों पीढ़ियों से तरह-तरह के गुणधर्म वाले देसी बीज तैयार किए हैं। यह हमारी विरासत है। देसी बीजों की जैविक खेती ही इसका अच्छा उदाहरण है।

कुल मिलाकर, ओडिशा में देसी बीज सुरक्षा मंच की पहल ने किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ा है। उन्हें जैव खाद व जैव कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण दिया है। देसी बीज बैंक बनाए हैं, जिससे देसी बीजों की सुरक्षा के साथ-साथ उनका संवर्धन भी हो रहा है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण भी हो रहा है और खेती में लागत खर्च कम हो रहा है। और लोगों को जैविक उत्पाद व जैविक भोजन उपलब्ध हो रहा है। किसान आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं।

इसके अलावा, जैविक खेती का विस्तार किचन गार्डन (सब्जी बाड़ी) तक हुआ है। स्कूली बच्चों को जोड़ा गया है जो महत्वपूर्ण है। पर्यावरण शिक्षा की तरह कृषि शिक्षा भी बच्चों को दी जानी चाहिए, जिससे वे हमारी खेती को, पर्यावरण को, शरीर की बुनियादी जरूरत संतुलित भोजन को समझ सकें।

इस काम में कुछ चुनौतियां भी सामने आई हैं, जैसे जैविक उत्पादों का उचित दाम नहीं मिल पा रहा है। जिस दाम पर रासायनिक कृषि उत्पाद बिकते हैं, उसी दाम पर जैविक कृषि उत्पाद बिकते हैं। इस दिशा में नीतिगत बदलाव होने से किसान इससे लाभांवित होंगे।

बीता सप्ताह

1 मार्च

- उत्तराखंड के याणा में ग्लेशियर टूटने 57 मजदूर दबे। 4 मजदूरों की मौत हो गई।
- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि संभल में जामा मस्जिद की नहीं होगी रंगाई-पोताई। केवल सफाई होगी।
- प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्मुला वान डेमेट के बीच आइमेक को आगे ले जाने का करार किया गया।
- पाकिस्तान में अखोटा खइक इलाके में नमाज के दौरान ब्लास्ट होने से 5 की मौत हो गई।

2 मार्च

- दिल्ली सरकार ने 15 साल पुराने वाहन को पेट्रोल-डीजल नहीं देने का फैसला लिया।
- रायपुर संभाग आयुक्त महादेव कावरे को कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया।
- छत्तीसगढ़ के सुकमा में जवानों व नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में एक महिला सहित दो नक्सती मारे गए।
- बांग्लादेश की राजधानी ढाका सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शीर्ष स्थान पर।

3 मार्च

- छत्तीसगढ़ सरकार ने विदेशी मदिरा दुकानों में अतिरिक्त आबकारी शुल्क समाप्त किया।
- निजी अमेरिकी कंपनी का अंतरिक्ष यान फायरफ्लाई एयरोरपेस का ब्लू छोस्ट चंद्र लैंडर सफलता पूर्वक चंद्रमा के मेरे क्रिसिमय क्षेत्र में उतर गया।
- इजरायल ने स्वीकारा रमजान युद्धविराम प्रस्ताव।
- जापान में 80 फीसदी से अधिक लोगों ने मृत्युदंड का किया समर्थन।

4 मार्च

- छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने दूसरे कार्यकाल का 2025-26 का बजट प्रस्तुत किया।
- छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा कि निजी स्कूल अपने हिसाब से लेंगे 5वीं और 8वीं बोर्ड की परीक्षा।
- लॉरियस वर्ल्ड कम बैंक ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित हुए भारतीय विकेट कीपर एवं बल्लेबाज ऋषभ पंत।
- चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए विराट कोहली को मिला फील्डर ऑफ द मैच मेडल।

5 मार्च

- छग के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को रायपुर सीबीआई की विशेष कोर्ट ने सेक्स सीडी मामले में सभी धाराओं को हटाया और बरी किया।
- दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के सेमी फाइनल में आस्ट्रेलिया को हराकर भारत फाइनल में पहुंचा।
- डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को दी जाने वाली सभी सहायता पर रोक लगाई।
- फिलीपींस में वायुसेना का लड़ाकू विमान एफ-ए-50 लापता हो गया।

6 मार्च

- युगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने वाले सपा विधायक अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित कर दिया।
- मायावती ने अपने भाई आनंद कुमार को भी राष्ट्रीय संयोजक पद से हटा दिया। इसके पहले उन्होंने भतीजे आकाश को हटा दिया था।
- मणिपुर में 5.7 तीव्रता की भूकंप के झटके महसूस किये गए।
- आस्ट्रेलिया के क्रिकेटर स्टीव स्मिथ ने चैंपियंस ट्राफी में हार के बाद वनडे क्रिकेट से सन्यास ले लिया।

7 मार्च

- रूस ने अमेरिका में अलेक्जेंडर डार्चीव को राजदूत बनाया।
- डोनाल्ड ट्रंप ने हयास को चेतावनी दी कि सभी बंधको और शव को रिहा करे वर्ना अंजाम भुगतना होगा।
- बेंगलुरू इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से 2 करोड़ का सोना जब्त किया गया।
- साहित्य अकादमी का वार्षिक साहित्योत्सव राजधानी दिल्ली में शुरू हुआ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज

क्या शहरी बस्तियों तक पहुंच पाएगा महिला सशक्तिकरण

■ **राजु कुमार**

साल 2025 का 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तेजी से कार्रवाई करें' की थीम के साथ हमें याद दिलाता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। शहरी बस्तियों में रहने वाली महिलाएं अपने अधिकारों, सुरक्षा और सपनों के लिए संघर्षरत हैं, लेकिन वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति और समाज एवं परिवार की बेरुखी उनके जीवन को ज्यादा कठिन बना देती है। बड़े महानगरों सहित मेट्रो सिटी के रूप में विस्तार पा चुकी शहरी बस्तियों में रहने वाली महिलाओं की जिंदगी की सच्चाई को अगर करीब से देखा जाए, तो यह साफ हो जाता है कि उनकी समस्याएं केवल गरीबी और संसाधनों की कमी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह असमानता, भेदभाव, पलायन और सामाजिक एवं राजनीतिक उपेक्षा की गहरी जड़ों से भी जुड़ी हुई हैं। ऐसी स्थिति में, साल 2025 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 'तेजी से कार्रवाई करें' की थीम के साथ हमें याद दिलाता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

इन तमाम मुश्किलों के बावजूद, इन बस्तियों की महिलाएं हार नहीं मानतीं। वे अपने अधिकारों के लिए लड़ रही हैं, सामूहिक रूप से आवाज उठा रही हैं और बदलाव की उम्मीद को जिंदा रख रही हैं। महिला दिवस सिर्फ एक दिन के लिए महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह दिन उन अनगिनत महिलाओं की आवाज उठाने का अवसर होना चाहिए जो हर दिन संघर्ष कर रही हैं।

शहरी बस्तियों की अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन करके आती है। छोटे शहरों एवं राज्यों की राजधानियों की कमोबेश यही स्थिति है। महानगरों में पलायन गांवों के साथ-साथ छोटे शहरों से भी होता है। पिछले कुछ दशकों में ग्रामीण एवं छोटे शहरों में रोजगार के अभाव ने पलायन को तेज किया है। गांवों में आज भी छुआछूत है, जिसकी वजह से दलित समुदाय पलायन कर शहरी बस्तियों में आ रहा है। इसलिए बस्तियों की कुल आबादी में एक बड़ा हिस्सा दलित एवं आदिवासी समुदायों का होता है। कुछ परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए शहरों का रुख करते हैं। यह सिलसिला दशकों से चल रहा है, जिसकी वजह से शहरी बस्तियों में रहने वाले परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी के साथ-साथ हाल के वर्षों में आए परिवार भी हैं। इन बस्तियों में रह रहे बहुत कम परिवार हैं, जो अपनी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को बेहतर कर कॉलोनियों की तरफ चले गए। अधिकांश परिवार इन्हीं बस्तियों में स्थायी रूप से रहने लगे हैं। इन बस्तियों में पानी की किल्लत, शौचालयों की कमी, सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों का अभाव, स्वास्थ्य एवं शिक्षा का अभाव जैसे कई गंभीर मुद्दे हैं। महिलाएं इन समस्याओं से सबसे ज्यादा जूझ रही हैं। इनकी वजह से उनके जीवन पर नकारात्मक असर पड़ता है।

शहरी बस्तियों में हाल ही में पलायन करके आए परिवारों और वर्षों से रहने वाले परिवारों के बीच भी अक्सर सामाजिक और सांस्कृतिक संघर्ष देखने को मिलता है। विभिन्न राज्यों और भाषाई पृष्ठभूमियों से आने वाले परिवारों के बीच संसाधनों को लेकर टकराव, परंपराओं और जीवनशैली में मतभेद की वजह से अक्सर असहमति और तनाव उत्पन्न होते हैं। इस संघर्ष का सबसे अधिक बोझ महिलाओं को उठाना पड़ता है, क्योंकि उन्हें ही पारिवारिक समायोजन और सामाजिक मेलजोल को बनाए रखने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। कई बार नई बस्तियों में हाल ही में आई महिलाएं स्थानीय भाषा न जानने के कारण सरकारी योजनाओं और समुदाय आधारित सहायता समूहों तक नहीं पहुंच पातीं, जिससे वे और भी ज्यादा हाशिए पर चली जाती हैं।

आर्थिक संकटों से जूझ रहे इन परिवारों की महिलाएं घरेलू कामगार, सफाई कर्मचारी, छोटे-मोटे कारीगर या असंगठित क्षेत्र की मजदूर होती हैं, जो घर एवं बाहर दोनों ही जगहों पर समस्याओं से जूझ रही हैं। कई महिलाएं घर से दूर काम करने जाती हैं, लेकिन उनके लिए सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा एक बड़ी चिंता का विषय बनी रहती है। कार्यस्थल पर महिलाओं को अक्सर असभ्य व्यवहार का सामना करना पड़ता है। रात के समय इन बस्तियों की गलियां अंधेरे में डूबी रहती हैं, जिससे महिलाओं के लिए घर लौटना खतरे से खाली नहीं होता। शहरी विस्थापन के कारण शहर से दूर फेंक दिए जाने के कारण यह संकट और गहरा हो जाता है। महिलाओं के लिए सरकारी एवं गैर सरकारी स्तर पर रोजगार से जुड़े कई प्रशिक्षण दिए जाते हैं, लेकिन उसका कोई फायदा उन्हें नहीं मिल पाता। एक तो बस्ती में स्वरोजगार के अवसर सीमित हैं, दूसरी बात यह कि वे कहीं अन्य जगह जाकर स्वरोजगार कर पाने में असमर्थ होती हैं।

बस्ती की ज्यादातर महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य और पोषण की अनदेखी कर देती हैं। अधिकांश बस्तियों में सुबह चार बजे उठकर पानी भरने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना महिलाओं की दिनचर्या का हिस्सा है। उनके पास इतना समय ही नहीं बचता कि वे अपने लिए कुछ सोच सकें। बस्ती में स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित हैं, और जब कभी वे बीमार पड़ती हैं, तो सरकारी अस्पतालों की भीड़ और लापरवाही उनके लिए एक नई समस्या बन जाती है। शहरी बस्तियों में महिलाओं के लिए शिक्षा भी एक बड़ी चुनौती है। कई लड़कियां किशोरावस्था में ही स्कूल छोड़ देती हैं क्योंकि उनके घरवालों को लगता है कि पढ़ाई की बजाय घर का काम करना और छोटे भाई-बहनों की देखभाल करना ज्यादा जरूरी है। इसके साथ ही बालिकाओं की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई बालिकाएं घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कम उम्र से ही मां के साथ काम पर जाने लगती हैं।

इसके अलावा, घरेलू हिंसा इन बस्तियों की महिलाओं के लिए एक और गंभीर समस्या है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराना आसान नहीं होता और अगर कोई महिला हिम्मत करके शिकायत कर भी देती है, तो समाज और परिवार का दबाव उसे वापस उसी प्रताड़ना भरी जिंदगी में धकेल देता है। कई महिलाओं को यह भी नहीं पता होता कि उनके लिए कानूनी मदद और सहायता समूह उपलब्ध हैं। इन बस्तियों के पुरुषों में शराब एवं जुए की लत एक आम समस्या है, जिसकी वजह से महिलाओं को घर चलाने के लिए कमाना भी पड़ता है, घर का काम भी करना पड़ता है और पति की प्रताड़ना भी झेलनी पड़ती है।

सुरक्षित सामुदायिक शौचालयों की कमी भी महिलाओं की समस्याओं को बढ़ा देती है। कॉलोनी की कई महिलाओं को खुले में शौच जाने को मजबूर होना पड़ता है, जिससे वे कई बार यौन हिंसा की शिकार भी हो जाती हैं। कई बार शौचालयों की दूरी इतनी होती है कि महिलाएं रातभर खुद को रोकने की कोशिश करती हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।

इन तमाम मुश्किलों के बावजूद, इन बस्तियों की महिलाएं हार नहीं मानतीं। वे अपने अधिकारों के लिए लड़ रही हैं, सामूहिक रूप से आवाज उठा रही हैं और बदलाव की उम्मीद को जिंदा रख रही हैं। महिला दिवस सिर्फ एक दिन के लिए महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह दिन उन अनगिनत महिलाओं की आवाज उठाने का अवसर होना चाहिए जो हर दिन संघर्ष कर रही हैं। 2025 की थीम हमें यह याद दिलाती है कि अब समय तेजी से कदम उठाने का है, ताकि प्रत्येक महिला को वह अधिकार, सुरक्षा और अवसर मिल सके, जिसकी वह हकदार है।

बुच के जाते ही सेबी में सफाई अभियान शुरू हो

तीन वर्ष के कार्यकाल की समाप्ति के बाद माधबी पुरी बुच को सेबी से बाहर निकलने की अनुमति दी गयी है। यह स्वागत योग्य निर्णय है। तीन साल पूर्ण होने के बाद कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है और ऐसा अक्सर हुआ है लेकिन बुच के मामले में समस्याओं के पिटारे पर ढक्कन लगाने का यह एक शालीन तरीका था। यह अलग बात है कि बुच की विदाई का मामला शेयर लिस्टिंग में कथित निष्क्रियता तथा मिलीभगत के एक और विवाद में उलझा हुआ था जो उनके कार्यभार संभालने से पहले का था। उस विवाद से विचलित हुए बिना यह कहा जा सकता है कि भारत की प्रतिभूति बाजार पर निगरानी रखने वाली संस्था की पहली महिला प्रमुख विवाद के बादलों में घिरे होने के साथ सेवानिवृत्त हो रही हैं, जिन्होंने सेबी के भीतर से आलोचना को आमंत्रित किया और जिनके नेतृत्व वाली संस्था की विश्वसनीयता एवं प्रतिष्ठा के बारे में बहुत सारे सवाल छोड़ गईं। सेबी तभी काम कर सकता है जब उसे स्वतंत्रता और ईमानदारी के साथ काम करने दिया जाए। इस भरोसे के बिना भारत के प्रतिभूति बाजारों के गर्म और अक्सर अस्थिर स्थान को नियंत्रित करने के इसके प्रयासों में दृढ़ विश्वास नहीं हो सकता। इस भरोसे का यह नुकसान इस कार्यकाल की सबसे बड़ी छाप बना रहेगा।

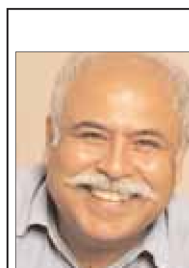

जगदीश रत्तनानी

इस जटिल मामले में कुछ मुद्दे सामने नहीं आते हैं। पहला यह है कि तकनीकी अनुपालन का निम्न मार्ग सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के उच्च मार्ग से बहुत अलग है। भले ही बुच के मामले में बचाव को वैध माना जाए लेकिन बुच-अदानी के उलझाव को भूलकर उनका बचाव सबसे अच्छा यह रहा है कि तकनीकी अनुपालन कैसे हासिल किया गया।

जब पहली बार हिंडनबर्ग के आरोपों का झटका सेबी और बुच को लगा तो इस तूफान में फंसी माधबी और उनके पति धवल बुच ने अपनी शैक्षणिक योग्यता दिखाकर औपचारिक स्पष्टीकरण जारी किया था। इसमें बताया गया था कि माधबी आईआईएम अहमदाबाद की पूर्व छात्रा हैं जबकि धवल आईआईटी दिल्ली से स्नातक हैं। जिन आरोपों के बारे में उक्त स्पष्टीकरण जारी किया गया, उन आरोपों के संदर्भ में बुच दम्पति की पढ़ाई-लिखाई को जनता कितना प्रतिष्ठापूर्ण मानती है, यह एक महत्वपूर्ण बात है। हालांकि इसे देखने के कई तरीके हैं। स्पष्ट रूप से हाईलाइट की गई डिग्री जनता से यह पूछने के लिए है कि बताइये कि हमारे जैसे उच्च विद्या विभूषित व्यक्ति को देखने के बाद आपको क्योंकर लगता है कि हमने कुछ गलत किया है? क्या आप जानते हैं कि हम किस वर्ग से आते हैं?... वगैरह।

भारत में कई किस्से-कहानियों व्हाट्सएप के जरिए बेचा जाता है।

हाल के वर्षों में इस बात का बाजार किया गया है कि हमारी अर्थव्यवस्था इस समय राजनीतिक व्यवस्था के शीर्ष पर निर्मित कई रंगों, स्वादों और संस्करणों के लिए गर्जना कर रही है, और कुछ कृपापात्र हैं जो एक जैसे सामानों का व्यापार करते हैं। इनमें से कोई भी बुच के बारे में निर्णय पारित करने के लिए नहीं है लेकिन यह एक अंतर्निहित विश्वास प्रतीत होता है कि जो जनता को आकर्षक रैपर में लपेटी हुई वस्तु खरीदने के लिए प्रेरित करने और यहां तक कि जश्न मनाने के लिए भी है।

इस जटिल मामले में कुछ मुद्दे सामने नहीं आते हैं। पहला यह है कि तकनीकी अनुपालन का निम्न मार्ग सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के उच्च मार्ग से बहुत अलग है। भले ही बुच के मामले में बचाव को वैध माना जाए लेकिन बुच-अदानी के उलझाव को भूलकर उनका बचाव सबसे अच्छा यह रहा है कि तकनीकी अनुपालन कैसे हासिल किया गया और उपयुक्त बक्से को कैसे टिक किया गया। सच्चाई जानने के लिए नए सिरे से जांच की आवश्यकता है जैसे कि आईसीआईसीआई बैंक में बुच की पूर्व सहयोगी चंदा कोचर के मामले में वास्तव में जरूरी थी। चंदा कोचर को पहले कथित अनुपालन के आधार पर क्लीन चिट दी गई थी और फिर भारत के उस समय के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक में गड़बड़ी का खुलासा न्यायमूर्ति बीएन श्रीकृष्ण ने किया था जिसके बाद कोचर को बर्खास्त कर दिया गया था। बुच के मामले में इसी तरह की जांच के बिना, कैसे और क्यों रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट फंड को सेबी द्वारा आक्रामक रूप से बढ़ावा दिया गया, कैसे बुच के पति के नियोक्ता ब्लैकस्टोन ने इनसे लाभ कमाया और क्यों सेबी ने अदानी समूह की जांच नहीं की? यह सब अनुपालन की रिपोर्टों में दबकर रह जाएगा। इसका मतलब यह नहीं है कि बुच द्वारा प्रवर्तित आरईआईटी के माध्यम से आवास बाजारों के वित्तीयकरण की वांछनीयता और समझदारी पर अन्य प्रश्न पूछे जाएं तथा यह भी कि वे संपत्ति बाजार और आम नागरिकों को कैसे प्रभावित करते हैं। सरकार को उम्मीद हो सकती है कि बुच की सेवानिवृत्ति से ये सारे मामले शांत हो जाएंगे लेकिन इस मामले में किसी न किसी दिन पूरी जांच की आवश्यकता होगी।

दूसरा यह तर्क है कि निजी क्षेत्र के खिलाड़ी जिन्होंने उच्च वेतन, कर्मचारी स्टॉक स्वामित्व योजना (इम्प्लाई स्टॉक ओनरशिप प्लॉन- ईएसओपी के तहत कंपनी अपने कर्मचारियों को कंपनी के शेयर देती है। इससे कर्मचारियों को कंपनी में हिस्सेदारी मिलती है) और कंपनी से मिले बोनस पर जीवन व्यतीत किया है, निश्चित रूप से उच्च आय वाले व्यक्ति होंगे तथा उनके निवेश एवं होल्डिंग और जीवन शैली आवश्यक रूप) से उनकी सुपर-रिच स्थिति को प्रतिबिंबित करेंगे। यह सच है कि कुछ भत्ता दिया जाना चाहिए पर यह भी उतना ही सच है कि शक्ति और कनेक्शन नए अवसर बनाते हैं जो जानबूझ कर ओढ़े गए अंधेपन के साथ अच्छी तरह से काम करते हैं। इसके अलावा एक लोकतांत्रिक राष्ट्र को यह भी पूछना चाहिए कि ऐसी पृष्ठभूमि क्या विशिष्ट योग्यता या नियामक अनुभव लाती है? इस सवाल को भारत में बढ़ती प्रवृत्ति के खिलाफ तौलना होगा जो सत्ता के लीवर को अति-धनी और जुड़े हुए लोगों को सौंपने के लिए है, लगभग एक नियंत्रित क्लब गठित करता है जो एक ही थैली के चट्टे- बट्टे हैं। यह नए भारत में प्रतिभा के आधार पर काम करने वाली योग्यता (मेरिटॉक्रसी) के बजाय एक धनिकतंत्र (प्लूटोक्रेसी) है। इन तथाकथित स्टार कलाकारों की सही कीमत और उनके योगदान का वास्तविक मूल्यांकन अपने आप में एक अलग चर्चा का विषय है। दुनिया को उनकी स्व-घोषित प्रतिभा तथा अशिष्ट विचारों या उच्च उपलब्धि के उनके मार्करों को खरीदने की जरूरत नहीं है।

तीसरी बात यह है कि सेबी का कोई भी अध्यक्ष भारत की आज की वास्तविकता में अदानी जैसे शक्ति केंद्र के खिलाफ कार्रवाई करने की बात तो दूर उसके बारे में बात भी नहीं कर सकता। वास्तव में यह आज की राजनीतिक सचाई है और संस्थानों के अपमानों के रूप में इसका टोल भरा जा रहा है। लेकिन यहां तो चेयर पर ही यह खेल खेलने का आरोप लगाया जा रहा था। व्यावसायिकता की उच्च गुणवत्ता के बजाय यह कनेक्शन और कवर-अप के लिए उच्च अंक मांग रहा है। कुछ चुनिंदा लोगों के लिए नियामक और विनियमित के बीच की दूरी मिट गई है। सवाल उठता है कि वास्तव में ये नियुक्तियां कौन करता है व ये नियुक्तियां संस्थान को कैसे मजबूत करती हैं? ध्यान दें कि अध्यक्ष बनने से पहले जब बुच सेबी की पूर्णकालिक निदेशक थीं उस समय से निवेश पर कुछ चिंताएं और खुलासों के बारे में सवाल चर्चित हैं।

उपरोक्त सभी मुद्दे कुशासन को प्रोत्साहित करते हैं जो अन्य प्रकार के एक लाख कुशासन को बढ़ावा देते हैं जिसके बारे में सरकार आज परेशान नहीं है लेकिन ये छोटे-बड़े कुशासन एक साथ मिलकर संस्था को खा जाते हैं और इसे अंदर से खोखला कर देते हैं। यह सब अनदेखे नाटक हैं लेकिन प्रशासन को टाईट करने तथा नट-बोल्ट कसने की कहानियां बेची जाती हैं, क्षुद्र बातों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जबकि मूल मुद्दों को नजरंदाज कर दिया जाता है और देश के साथ छल किया जाता है। जब सुधार के लिए कोई समर्पित इच्छा न हो तो भविष्य में कभी सुधार लाने की योजना क्रियान्वित नहीं हो सकती। इसके बाद होने वाली खींच-तान संस्था को नष्ट करने वाली हो सकती है। वे शासन के ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर देती हैं। तनाव के ऐसे ही कुछ हिस्से के कारण सेबी कर्मचारियों को बुच की मनमानी, उसके कनेक्शन एवं राजनीतिक कवर के कारण कथित अहंकार) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

सेबी को रिकवर होने में लंबा समय लगेगा। इस समयावधि को कम करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि जो कुछ भी हुआ है, उसकी न्यायिक जांच का आदेश दिया जाए। यह 'मजबूत नियामक ढांचे को प्रदर्शित करने का सबसे अच्छा तरीका होगा जो न केवल सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के साथ संरेखित करता है बल्कि निवेशकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है'। बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग आरोपों का मुकाबला करने के लिए जारी किए गए सेबी के बयान में यह बात उद्धृत की गयी थी। इस भावना की रक्षा की जानी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। सिंडीकेट : द बिलियन प्रेस)

खेल जगत

मैट हेनरी की फिटनेस पर संशय, चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल से हो सकते हैं बाहर

दुबई। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए सेमीफाइनल मैच के दौरान मैट हेनरी को कंधे में चोट लगी थी। इस चोट के कारण अब वह न्यूजीलैंड और भारत के बीच होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल से बाहर हो सकते हैं। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हेनरी को फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी, लेकिन उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले के आखिरी ओवरों में दो ओवर गेंदबाजी की थी। चोट के बाद मैदान में वापसी के बाद उन्हें डाइव लगाते हुए भी देखा गया था। बुधवार को मुकाबले के बाद कप्तान मिचेल सैंटनर ने हेनरी की उपलब्धता को लेकर आशावादी रुख दिखाया था, लेकिन अब मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा है कि फाइनल से लगभग 48 घंटे पहले भी हेनरी की फिटनेस पर संशय बना हुआ है।

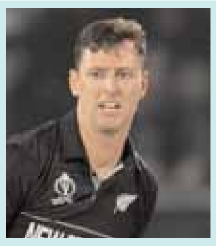

भारतीय क्रिकेट टीम के संतुलन की अहम कड़ी हैं फिनिशर हार्दिक पांड्या

भारत को हार्दिक से फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच का प्रदर्शन दोहराने की आस

○ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 7 मार्च (देशबन्धु)। हार्दिक पांड्या बतौर ऑलराउंडर बल्लेबाजी और गेंदबाजी में भारतीय क्रिकेट की अहम कड़ी है। भारतीय क्रिकेट में उनका रोल वही है जो कि हॉकी मे जो आक्रामक सेंटर हाफ का होता है। हॉकी में टीम पर हमले के वक्त सेंटर हाफ का काम अपने किले का बचाव और हमला बोलते समय स्ट्राइकरों के लिए बराबर आगे गेंद बढ़ाना होता है। हार्दिक अब नई गेंद से मोहम्मद शमी के साथ गेंदबाजी का आगाज प्रतिद्वंद्वी टीम के शीर्ष क्रम को बिखेरने और निचले मध्यक्रम में बल्लेबाजी के लिए उतर कर बल्ले से दे दनादन कर भारतीय क्रिकेट को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के संतुलन की अहम कड़ी हैं फिनिशर हार्दिक पांडया। हार्दिक पांडया भारत के लिए बल्ले से फिनिशर की भूमिका निभा रहे हैं। अब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भी भारत के नजरिए रविवार को

■ हार्दिक पांड्या ने अभावों से गुजर खुद के लिए भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे अलग मुकाम हासिल किया।

जीत खिताब जिताने में भी हार्दिक पांड्या की भूमिका बेहद अहम रहने वाली है। भारत को हार्दिक से फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच का प्रदर्शन दोहराने की आस है। हार्दिक पांड्या की टीम में मौजूदगी से भारत अपनी एकादश में मैच और पिच के मिजाज के मुताबिक चार स्पिनर और दो उन सहित दो तेज गेंदबाज या तीन स्पिनर और तीन तेज गेंदबाज उतार पा रहा है भारत अपने घर में 2023 में आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप में अपने लगातार दस मैच जीतने के बाद फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से अहमदाबाद में छह विकेट से हार इसलिए खिताब जीतने से चूक गया था क्योंकि चेन्ने में पहले मैच में खेलने वाले हार्दिक पांड्या चोट के चलते तब फाइनल से पहले ही बाहर हो गए थे। अपनी दूसरी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेल रहे हार्दिक पांड्या ने अब तक इसमें दो संस्करणों में कुल 11 विकेट लिए हैं और 76 के सर्वोच्च स्कोर के साथ एक अर्द्धशतक सहित कुल 186 रन बनाए हैं। हार्दिक पांडया को मौजूदा संस्करण में भारत को खिताब जिताने के लिए लीग मैच के अपने हरफनमौला प्रदर्शन को रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ दोहराना होगा। हार्दिक ने सेमीफाइनल में विराट के 84 रन बनाने के बाद आउट होने के बाद 24गेदों में तीन छक्कों की मदद से 28 रन की पारी खेल भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।हार्दिक पांड्या ने अभावों से गुजर खुद के लिए भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे अलग मुकाम हासिल किया। हार्दिक गेंद से करीब 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से 'सुपरफास्ट' गेंदबाजी कर दुनिया के किसी भी शीर्ष क्रिकेटर को बराबर पैवेलियन की राह दिखाने की कूवत के साथ पारी के आखिर में 20 गेंदों में भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाने अथवा लक्ष्य का पीछा करने के कौशल से भारतीय क्रिकेट टीम की बेहद अहम कड़ी हैं।

शमी पर भारतीय मुसलमानों को गर्व : बदर काजमी

सहारनपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के चैंपियंस ट्राफी में आस्ट्रेलिया के साथ सेमीफाइनल मैच में मैदान पर एनर्जी ड्रिंक पीने को लेकर हो रही आलोचना को पब्लिसिटी स्टंट करार देते हुये देवबंद के इस्लामिक विद्वान और लेखक बदर काजमी ने कहा कि मोहम्मद शमी पर भारतीय मुसलमानों को गर्व है। वह चैंपियंस ट्राफी में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उन्होंने अपने शानदार खेल से दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों का मन मोह लिया है। बरेली मसलक के मौलाना शाहबुद्दीन रिजवी राष्ट्रीय अध्यक्ष आल इंडिया मुस्लिम जमात ने यह कहकर मोहम्मद शमी की आलोचना की है कि रमजान में रोजे ना रखना गुनाह है और मोहम्मद शमी शरियत की नजर में अपराधी हैं। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। रिजवी ने कहा कि शमी को शरियत का पालन करते हुए रोजा रखना चाहिए था। मौलाना रजवी के बयान की निंदा करते हुए देवबंद के इस्लामिक विद्वान और लेखक बदर काजमी ने कहा कि खेल के दौरान रोजा रखना इस्लामिक ऐतबार से अनिवार्य नहीं था। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए बरेली मौलवी ने शमी की गलत आलोचना की है।

शुभमन गिल आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड्स के लिए नामांकितों में शामिल

■ गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मुकाबलों में 87 और 60 रन का बड़ा योगदान दिया

दुबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ और एनाबेल सदरलैंड फरवरी के लिए आईसीसी पुरुष और महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड्स के लिए नामांकितों में शामिल हैं। आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए, टूर्नामेंट के तीन सितारे आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामांकित हैं। गिल ने टूर्नामेंट से पहले इंग्लैंड पर भारत की निर्णायक श्रृंखला जीत में शानदार प्रदर्शन करके सुर्खियां बटोरीं और बांग्लादेश पर अपनी शुरुआती जीत से पहले एकदिवसीय बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मुकाबलों में उन्होंने 87 और 60 रन का बड़ा योगदान दिया, इससे पहले अहमदाबाद में 112 रन की शानदार पारी ने श्रृंखला जीत ली। ब्लैककैप्स के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए

शानदार तैयारी की, फरवरी में पाकिस्तान में त्रिकोणीय श्रृंखला को सील करने के लिए मध्य क्रम में बहुमूल्य रन प्रदान किए। 28 और 20 के नाबाद स्कोर के बाद लाहौर में त्रिकोणीय श्रृंखला में 74 गेंदों में शानदार 106 रन बनाए, जिसमें सात छक्के शामिल थे। फिर, जैसे ही टूर्नामेंट शुरू हुआ, फिलिप्स ने शानदार शुरुआत की, 39 गेंदों में समान रूप से तेज 61 रन बनाए और पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान को आउट करने के लिए एक शानदार कैच लिया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि ब्लैककैप्स ने कराची में 60 रनों की जीत में अपना लक्ष्य सुरक्षित रखा।

फरवरी के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित खिलाड़ी

ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख लेग स्पिनर अलाना किंग ने महिला एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और मेलबर्न में खेले गए स्टैंडअलोन टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीरीज में जीत दर्ज की। मध्यक्रम में साइवर-ब्रंट, डंकले और वायट-हॉज के महत्वपूर्ण विकेट तब आए, जब किंग ने पहली पारी में 45 रन देकर चार विकेट लिए, इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में 53 रन देकर पांच विकेट लेकर सबसे लंबे प्रारूप में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ वापसी करते हुए सम्मान बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराया। मई 2023 में पिछली विजेता, थाईलैंड की बाएं हाथ की गेंदबाज थिपाचा पुथावोंग फरवरी में फिर से उनकी सफलता के पीछे प्रेरक शक्ति थी, विकेट लेने की सूची में शीर्ष पर रही क्योंकि उनकी टीम ने नेपाल महिला त्रिकोणीय श्रृंखला को सील कर दिया।

बेन स्टोक्स इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम की कमान संभालने की दौड़ में

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जोस बटलर के कप्तान पद से इस्तीफा देने के बाद इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल क्रिकेट एक चौराहे पर खड़ी है। प्रबंध निदेशक रॉब की ने पदभार संभालने के लिए 'सबसे अच्छे व्यक्ति' को खोजने का दृढ़ निश्चय किया है, इस बात पर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स वनडे में भी कप्तानी संभाल सकते हैं। स्टोक्स, जिन्होंने इंग्लैंड के निराशाजनक 2023 विश्व कप बचाव में अपना आखिरी 50 ओवर का मैच खेला, एक विकल्प बने हुए हैं। की ने स्टोक्स के असाधारण नेतृत्व गुणों को स्वीकार करते हुए स्काई स्पोर्ट्स से कहा कि

बेन स्टोक्स उन सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है, इसलिए उन्हें नजरअंदाज करना बेवकूफी होगी। हालांकि, उन्होंने इस तरह की दोहरी भूमिका के प्रभाव पर विचार करने की आवश्यकता को भी स्वीकार किया। इंग्लैंड अलग-अलग वनडे और टी20 कप्तानों के विचार के लिए भी खुला है, क्योंकि की का मानना है कि अब प्रारूपों के लिए एक अलग दृष्टिकोण की आवश्यकता है। चर्चा में कई नाम सामने आए हैं, जिनमें फिल साल्ट, लियाम लिविंगस्टोन और हैरी ब्रूक शामिल हैं। की ने जोर देकर कहा कि निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया जाएगा। हम सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं, कोई ऐसा व्यक्ति जो इसे आगे ले जा सके। ग्रुप स्टेज में चैंपियंस ट्रॉफी से इंग्लैंड का बाहर होना गहरी जड़ें जमाए हुए मुद्दों को उजागर करता है। ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका से हार ने टीम के संतुलन में खामियों को उजागर किया, जिसमें इंग्लैंड ने उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में तेज गेंदबाजी आक्रमण का विकल्प चुना।

रोहित एंड कंपनी दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ इतिहास फिर से लिखने की कोशिश करेगी

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। अजेय भारत रविवार को दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में मजबूत न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। आठ टीमों के इस महाकुंभ को करीब आठ साल के लंबे इंतजार के बाद अपना नया विजेता मिलेगा। संयोग से, भारत 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में पाकिस्तान से हार गया था और लगातार दूसरा खिताब जीतने से चूक गया था। इस बीच, यह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत की लगातार तीसरी यात्रा होगी, जिससे वह ऐसा करने वाली पहली टीम बन जाएगी।

भारत और न्यूजीलैंड को एक ही ग्रुप में रखा गया था और उनका पिछला मुकाबला भारत ने 44 रन से जीता था, जिससे भारत ने लगातार तीन जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया था। भारत ने

■ सेमीफाइनल में, न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 50 रनों से हराकर भारत के खिलाफ टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई

सेमीफाइनल में वनडे विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड ने अपने अभियान की शुरुआत कराची में गत चैंपियन और मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ की, उसके बाद क्रमशः बांग्लादेश और भारत के खिलाफ जीत और हार का सामना किया। सेमीफाइनल में, ब्लैककैप्स ने दक्षिण अफ्रीका को 50 रनों से हराकर भारत के खिलाफ टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। जबकि दुनिया टूर्नामेंट के विजेता का इंतजार कर रही है, आईसीसी नॉकआउट चरणों में दोनों टीमों के बीच पिछले रिकॉर्ड सभी प्रारूपों में न्यूजीलैंड को स्पष्ट बढ़त देते हैं। आईसीसी नॉकआउट मैचों में भारत बनाम न्यूजीलैंड का रिकॉर्डभारत और न्यूजीलैंड आईसीसी नॉकआउट मैचों में चार बार भिड़ चुके हैं, जिसमें ब्लैककैप्स ने मैन इन ब्लू पर 3-1 की बढ़त हासिल की है। उनके मुकाबलों में 2000 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल, 2019 और 2023 विश्व कप सेमीफाइनल और 2021 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल शामिल हैं।

सार संक्षेप

श्रीलंका मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को 21 रन से हराया

वडोदरा। वडोदरा के बीसीए स्टेडियम की फ्लडलाइट्स में एक बार फिर पुराने सितारे छा गए, जहां असेला गुणरत्ने के शानदार अर्धशतक और अपनी अनुशासित डेथ बॉलिंग की बदौलत श्रीलंका मास्टर्स ने गुरुवार रात को इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल), 2025 के पहले सीजन के रोमांचक मुकाबले में वेस्टइंडीज मास्टर्स को 21 रन से हरा दिया। मुश्किल विकेट पर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका मास्टर्स के कप्तान कुमार संगकारा (47) ने एक सोची-समझी पारी खेलकर अपनी टीम को मुश्किल शुरुआत से उबारा। इसके बाद असेला गुणरत्ने (64) ने एक शानदार अर्धशतक जमाकर नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के बावजूद टीम को संभाला और आखिरकार 20 ओवर में 173/9 के स्कोर तक पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज मास्टर्स ने मैदान पर शानदार खेल का प्रदर्शन किया और दो रन आउट भी किए, जबकि स्टार ऑफ स्पिनर एश्ले नर्स ने परिस्थितियों का अच्छा इस्तेमाल करते हुए शीर्ष क्रम के तीन विकेट चटकाए। इसमें संगकारा का बेशकीमती विकेट भी शामिल है।

इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए मौका मिला तो तैयार हूं : पुजारा

कोलकाता। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए भूख और भी बढ़ गई है, अगर मौका मिला तो मैं इसे लपकने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। पुजारा ने गुरुवार को मीडिया कॉन्क्लेव में भारतीय टीम में वापसी के सवाल पर कहा कि मैं घरेलू क्रिकेट खेल रहा हूं। अगर मौका मिला तो मैं इसे दोनों हाथों से लपकने के लिए तैयार हूं। मेरे सीरीज में खेलने की भूख और भी बढ़ गई है। जब आप बड़े हो जाते हैं, तो आपको और भी कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि हमारे पास गेंदबाजी है। हमें बोर्ड पर रन बनाने की आवश्यकता है और हमारे पास ऐसा करने वाले खिलाड़ी हैं। हमें गेंदबाजी और वहां की परिस्थितियों का सम्मान करना होगा। भारतीय टेस्ट टीम के नंबर तीन स्थान के मजबूत स्तंभ रहे चेतेश्वर पुजारा फिलहाल भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं।

डब्ल्यूपीएल 2025 : ऑलराउंडर मैथ्यूज की बदौलत मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्स को छह विकेट से हराया

लखनऊ, 7 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के 16वें मैच में अमेलिया केर और हेले मैथ्यूज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत यूपी वारियर्स को छह विकेट से हराकर शानदार जीत हासिल की। केर के शानदार पांच विकेट (5-38) और मैथ्यूज की ऑलराउंड (2-25 और 46 गेंदों पर 68 रन) प्रदर्शन की बदौलत मुंबई ने इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 151 रनों के लक्ष्य का आसानी से पीछा किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्स ने सीजन की अपनी सर्वश्रेष्ठ शुरुआत की। इसमें जॉर्जिया वोल (33 गेंदों पर 55 रन) ने बढ़त बनाई। सलामी बल्लेबाजों ने 74 रनों की साझेदारी की, लेकिन मुंबई के गेंदबाजों ने तेजी से वापसी की। केर ने महत्वपूर्ण बल्लेबाजों को आउट करके मेजबान टीम को अपनी शुरुआत का फायदा नहीं उठाने दिया। मैथ्यूज ने भी गेंद से अहम भूमिका निभाई, महत्वपूर्ण सफलता दिलाई और बीच के ओवरों में दबाव बनाए रखा। शुरुआती गति के बावजूद, यूपीडब्ल्यू बाद के हाफ में लड़खड़ा गई, 20 ओवरों के अंत में केवल 150/9 रन ही बना पाई, जिसमें वोल का अर्द्धशतक ही ढहती लाइनअप में एकमात्र अच्छा योगदान था।मुंबई की पीछा करने की शुरुआत एक आश्चर्यजनक कदम के साथ हुई, जब मैथ्यूज के साथ अमेलिया केर ने पारी की शुरुआत की। केर ने एक शानदार पारी खेली, नो-बॉल पर जल्दी आउट होने से बच गई, लेकिन अंत में 10 (13) रन बनाकर चिनेल हेनरी की गेंद पर आउट हो गई। इसके बाद नेट साइवर-ब्रंट मैथ्यूज के साथ क्रीज पर उतरीं और दोनों ने तेजी से नियंत्रण हासिल कर लिया। मैथ्यूज शानदार फॉर्म में थीं और उन्होंने सोफी एक्लेस्टोन की गेंद पर लगातार दो चौके सहित कई चौके लगाए। मैथ्यूज ने जल्द ही 35 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और मुंबई को जीत के करीब पहुंचा दिया।

डब्ल्यूपीएल 2025: अंपायर के फैसले पर असहमति जताने पर हरमनप्रीत पर जुर्माना

लखनऊ, 7 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर पर यूपी वॉरियर्स के खिलाफ मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के चलते उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह मैच गुरुवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। डब्ल्यूपीएल के बयान के अनुसार, हरमनप्रीत ने आर्टिकल 2.8 के लेवल 1 उल्लंघन को स्वीकार किया, जो अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से जुड़ा है। घटना

आखिरी ओवर में हुई, जब ऑन-फील्ड अंपायर ने मुंबई इंडियंस पर धीमी ओवर गति के कारण फील्डिंग प्रतिबंध लागू कर दिया। इसके तहत टीम को 30 गज के घेरे के बाहर केवल तीन फील्डर रखने की अनुमति थी। हरमनप्रीत इस फैसले से नाखुश दिखीं और अंपायर अजितेश अर्गल से बहस करने लगीं। इस दौरान अंतिम ओवर डालने जा रहीं अमेलिया केर भी फैसले से नाराज दिखीं। इसी बीच इंग्लैंड की खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन, जो नॉन-स्ट्राइकर एंड पर थीं, भी अंपायर से चर्चा करने आ गईं। इसके बाद हरमनप्रीत और एक्लेस्टोन के बीच गर्मागर्म बहस हो गई, जिसमें हरमनप्रीत उन्हें उंगली उठाकर कुछ कहते हुए नजर आईं। हालात बिगड़ते देख अंपायरों ने तुरंत हस्तक्षेप किया, जिसके बाद एक्लेस्टोन नॉन-स्ट्राइकर एंड पर लौट गईं।

हरमनप्रीत और एक्लेस्टोन के बीच तीखी नोकझोंक पर मिताली राज ने दी प्रतिक्रिया

लखनऊ। मुंबई इंडियंस और यूपी वॉरियर्स के बीच खेले गए डब्ल्यूपीएल 2025 मैच के दौरान एक विवाद हुआ, जिसे लेकर पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि जब मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर मैदान पर अंपायर से बातचीत कर रही थीं, तब सोफी एक्लेस्टोन क्या करने की कोशिश कर रही थीं, यह समझ से बाहर था। यह घटना आखिरी ओवर से पहले हुई, जब धीमी ओवर गति के कारण अंपायर ने मुंबई इंडियंस पर पेनल्टी लगाई और नियमों के अनुसार 30-यार्ड सर्कल के बाहर सिर्फ तीन फील्डरों को रखने की अनुमति दी। इस फैसले से हरमनप्रीत नाराज दिखीं और अंपायर से इस पर चर्चा करने लगीं। इसी बीच, आखिरी ओवर डालने जा रहीं अमेलिया केर भी इस फैसले से नाखुश नजर आईं। मिताली ने जियोस्टार पर बात करते हुए कहा कि मुंबई इंडियंस चार मिनट की देरी से ओवर डाल रही थी, इसलिए उन्हें एक अतिरिक्त फील्डर को सर्कल के अंदर लाना पड़ा।

थंगराजा ने 5 शॉट के अंतर से जीता अहमदाबाद ओपन गोल्फ खिताब

अहमदाबाद, 7 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंकाई गोल्फर एन. थंगराजा ने अहमदाबाद के पास केंसविले गोल्फ एंड कंट्री क्लब में 1 करोड़ रुपये के अहमदाबाद ओपन 2025 में एक ओवर 73 के शानदार प्रदर्शन के

बाद पांच शॉट के अंतर से खिताबी जीत हासिल की। 43 वर्षीय थंगराजा (65-73-69-73), जो तीसरे राउंड में पांच शॉट से आगे चल रहे थे, ने रात भर की अपनी आरामदायक बढ़त का फायदा उठाते हुए 73 का कार्ड खेला और इस सप्ताह उनका कुल स्कोर आठ अंडर 280 रहा। अपना पांचवां पीजीटीआई खिताब और 2023 के बाद पहली जीत हासिल करने वाले थंगा ने 15 लाख रुपये का विजयी चेक हासिल किया, जिससे वह पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में सातवें से दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

साक्षी का महिला दिवस पर 'निडर' संदेश

'किसी से डरने की जरूरत नहीं, अपना सर्वश्रेष्ठ दें'

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। जब दुनिया 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए तैयार हो रही है, पूर्व पहलवान और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने महिलाओं के जीवन में होने वाले दैनिक संघर्षों पर प्रकाश डाला और हर दिन महिलाओं की ताकत और लचीलेपन को पहचानने की वकालत की, साथ ही महिलाओं द्वारा पार की जाने वाली रोजमर्रा की लड़ाइयों को स्वीकार करने का आग्रह किया। 2016 में, साक्षी ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला

हर दिन होना चाहिए महिला दिवस : साक्षी मलिक

नई दिल्ली। भारत की प्रसिद्ध महिला पहलवान साक्षी मलिक ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान महिला दिवस के मौके पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने न केवल अपने व्यक्तिगत अनुभवों को उजागर किया, बल्कि समाज में बदलते परिवेश और महिलाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। ओलंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक का मानना है कि महिलाओं के संघर्ष और योगदान को केवल एक दिन तक सीमित नहीं करना चाहिए। साक्षी मलिक का कहना है कि महिलाओं को किसी एक खास दिन, जैसे 8 मार्च को मनाया जाने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके अनुसार, हर दिन महिला दिवस होना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि एक महिला अपने जीवन में कई तरह के संघर्षों का सामना करती है।

पहलवान बनीं, जब उन्होंने रियो में 58 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने धारणाओं को बदल दिया है और महिला पहलवानों की भावी पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बन गई हैं। साक्षी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपने विचार साझा किए और कहा कि महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न सिर्फ एक दिन तक सीमित नहीं होना चाहिए, इसे हर दिन पहचाना और सम्मानित किया जाना चाहिए। साक्षी ने कहा कि महिलाओं के लिए सिर्फ एक दिन खास नहीं होना चाहिए, हर दिन महिला दिवस होना चाहिए, क्योंकि एक महिला को जीवन भर संघर्षों का सामना करना पड़ता है। मेरा उदाहरण लें- मैंने बहुत कम सुविधाओं के साथ कुश्ती शुरू की, कई संघर्षों से गुजरी और फिर कुछ हासिल किया। अब मैं एक मां हूं, रेलवे में नौकरी करते हुए अपने बच्चे को संभाल रही हूं। साक्षी का मानना है कि अगर एक महिला अपने लक्ष्यों के प्रति दृढ़ संकल्पित, केंद्रित और अनुशासित है, तो वह कुछ भी हासिल कर सकती है।

श्रेयस अय्यर ने वर्षों से मध्यक्रम की जिम्मेदारी निभाई : सिद्धेश लाड

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत का मध्यक्रम वर्षों से चिंता का विषय रहा है, जब से न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 2019 विश्व कप का उनका अभियान समाप्त हो गया था।

रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित अन्य ने भारत को शीर्ष पर मजबूती दी, लेकिन नंबर 4 का स्थान एक पहेली बना हुआ है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने एक महत्वपूर्ण टुकड़ा खोज लिया है जो पहेली को पूरा करता है-उनकी परेशानियों का एक भरोसेमंद समाधान।

2023 विश्व कप में, 30 वर्षीय अय्यर ने शानदार प्रदर्शन किया

श्रेयस अय्यर उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर बन गए हैं, एक बल्लेबाज जो न केवल सितारों से सजे शीर्ष क्रम का पूरक है, बल्कि विश्व क्रिकेट में सबसे सरल मध्यक्रम बल्लेबाजों में से एक बन गया है। 59, 44, 78, 15, 56, 79, 45 के स्कोर-ये सभी श्रेयस अय्यर ने अपनी पिछली सात पारियों में बनाए हैं, जो सभी मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए आए हैं। 2023 विश्व कप में, 30 वर्षीय अय्यर ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें 113 के स्ट्राइक रेट से दो शतकों सहित 530 रन बनाए। वह वनडे में काफी सुसंगत रहे हैं। 2022 से, अय्यर नंबर 4 पर 40 मैचों में दिखाई दिए हैं। चल रही चैंपियंस ट्रॉफी में, अय्यर ने चार पारियों में 48.75 औसत और 79 उच्चतम के साथ 195 रन दर्ज किए हैं। उन्होंने 2022 से अब तक नंबर 4 पर 40 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 1,773 रन बनाए हैं।

ऐतिहासिक धरोहरों को संवारने के काम ने पकड़ी गति, अब क्षेत्र को मिलेगी देश में अलग पहचान

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले में ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक महत्व के स्थलों से परिपूर्ण है। यहां पर पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इसे संवारने के लिए संसाधन उपलब्ध कराने की जरूरत थी। टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने क्षेत्र की धरोहरों को देशभर में पहचान दिलाने का बीड़ा उठाया है। इसी तारतम्य में शुक्रवार को सागर संभागायुक्त डॉ. वीरेन्द्र सिंह रावत ने कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय तथा पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के साथ तालकोठी स्थित प्रचीन पुस्तकालय और ऐतिहासिक भवन का निरीक्षण किया। डॉ. रावत ने ऐतिहासिक भवन तालकोठी की वास्तुकला की प्रशंसा करते हुये कहा कि हमारी ऐतिहासिक धरोहरें पर्यटन का आधार हैं, इन्हें संरक्षित एवं व्यवस्थित किया जाना चाहिये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लाईब्रेरी के जीर्णोद्धार एवं विकास के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पुस्तकालय की स्थिति का जायजा लिया तथा तालाब की सफाई कराने और जलकुंभी हटाने के निर्देश दिये। संभागायुक्त डॉ. रावत ने लाइब्रेरी के निरीक्षण के दौरान लाइब्रेरी की मरम्मत, जीर्णोद्धार एवं लाइटिंग व्यवस्था के लिए हेरिटेज कंसल्टेंट के माध्यम से योजना बनाने की बात कही। साथ ही उन्होंने लाइब्रेरी में स्थित प्राचीन पुस्तकों को आधुनिक लाइब्रेरी की तर्ज पर सूचीबद्ध कर व्यवस्थित करने के लिए कॉलेज प्राचार्य को निर्देश दिया। उक्त धरोहर भवन में टूरिज्म होटल प्रबंधन इत्यादि के पाठ्यक्रम शुरू करने की संभावना तलाशने के विकल्प पर चर्चा की। पुरातात्विक धरोहर पुनरुत्थान में संलग्न संस्था द्रोणा के सदस्यों के साथ महेन्द्र सागर तालाब स्थित लंका तथा शहर में स्थित राजमहल का भी निरीक्षण किया तथा जीर्णोद्धार एवं साफ-सफाई के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं।

रानी की बावरी का होगा जीर्णोद्धार

राज परिवार से कुंवर रुद्र प्रताप सिंह ने सागर कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत रानी की बावरी का अवलोकन कराया, यहां की सुंदरता देख श्री रावत ने बावरी का जल्द से जल्द जीर्णोद्धार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में एतिहासिक भवनों को संवारने की बात कही है। राज परिवार के सदस्य रुद्र प्रताप सिंह ने उक्त स्थान की विशेषताओं से उपस्थित लोगों को अवगत कराया। इस अवसर पर पुरातात्विक धरोहर पुनरुत्थान में संलग्न संस्था द्रोणा से शिखा जैन, तपस्या सामल, अपर कलेक्टर पीएस चौहान, संयुक्त कलेक्टर लोकेन्द्र सिंह सरल, एसडीएम संजय कुमार दुबे, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अंजली शर्मा, ईई पीडब्ल्यूडी आईके शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सक्षम होकर आगे बढ़े महिलाएं, विकास में बने सहभागी: हरिशंकर

जतारा, देशबन्धु। स्थानीय शासकीय महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उत्कृष्ट कार्यो के लिए महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जतारा विधायक हरिशंकर खटीक रहे एवं विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष सरोज राजपूत रही। कार्यक्रम में हरिशंकर खटीक ने कहा कि सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है। महिलाओं को विकास में भागीदार बनाने के लिए आरक्षण भी दिया जा रहा है। मप्र सरकार लड़की बहना योजना के माध्यम से माताओ बहिनो के खाते में प्रति माह राशि भी भेज रही है, उन्होंने कहा कि महिलाएं आप किसी भी प्रकार से पीछे नहीं है, बल्कि कई जगह तो बहिनो ने भाइयो को पीछे छोड़कर कई उपलब्धियां हासिल की है। उन्होंने पंचायत में उत्कृष्ट कार्यो के संचालन के लिए मुहारा सरपंच श्रीमती जानकी यादव को प्रशस्ति पत्र सम्मानित किया, तो वहीं बम्होरी थाना प्रभारी रश्मि जैन को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष सरोज राजपूत ने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में एसडीओपी अभिषेक गौतम, जिला परियोजना अधिकारी ॠतुता चौहान, सीईओ सिद्धगोपाल वर्मा परियोजना अधिकारी प्रेमवती यादव, प्रीति बीड़ी शर्मा, किशन पटेरिया, मुकेश तिवारी मनोज सिंह,अशोक खरे,रोहित चौरसिया,सुरेंद्र यादव, अजय सिंह, सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

27 वर्षीय महिला परिजनों को बिना बताए हुई लापता

टीकमगढ़, देशबन्धु। दिगौड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव से 27 वर्षीय महिला परिजनों को बिना बताए कहीं चली गई है। परिजनों ने आज पुलिस थाने में घटना की रिपोर्ट की गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करते हुए लापता महिला की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने बताया है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत सैराई गांव में गुरुवार की रात को महिला खाना खाकर अपने कमरे में सो गई थी। सुबह करीब 3 बजे उसके पति ने देखा, तो महिला कमरे में नहीं मिली। परिजनों ने महिला को आसपास व रिश्तेदारी में तलाश किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। फरियादी पति की रिपोर्ट पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर लापता महिला की तलाश शुरू कर दी है।

ओरछा में जुटेंगे देश-विदेश के कलाकार, भारतीय कलाकार संघ द्वारा आयोजित होगा कला महोत्सव

टीकमगढ़, देशबन्धु। भारतीय कलाकार संघ के तत्वावधान में हर बार की भांति लगातार पांचवां कला महोत्सव का आयोजन श्रीरामराजा सरकार की नगरी ओरछा धाम में किया जा रहा है। यह आयोजन 10 से 12 मार्च तक होटल गोमती पैलेस ओरछा में संपन्न होगा। इसके पहले भारतीय कलाकार संघ द्वारा इसी तरह के आयोजन दतिया, झांसी, छत्तीसगढ़, बैंगलुरू, जबलपुर, मध्यप्रदेश आदि में आयोजित होता रहा है। पहली बार इस आयोजन को बुंदेलखंड के सुप्रसिद्ध पर्यटक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक स्थल ओरछा धाम में किया जा रहा है। यह आयोजन संघ के राष्ट्रीय संयोजक अंकुर पेंटर, राष्ट्रीय अध्यक्ष एन. कुमार के निर्देशन में राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश पेंटर जेर के संयोजन में संपन्न होगा। भारतीय कलाकार संघ के प्रवक्ता शिवम् यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन में देश भर से हजारों कलाकार शामिल होंगे। इसके अलावा श्रीलंका नेपाल आदि देश से भी कलाकार शिरकत करने के लिए आ रहे हैं। आयोजन का मुख्य उद्देश्य कलाकारों को एकजुट करना तथा सरकार का कलाकारों के उत्थान की दिशा में कदम उठाने हेतु ध्यान आकर्षण कराना है। उन्होंने कहा कि संस्कृति विभाग द्वारा कलाकारों के लिए कोई भी अलग से बजट खर्च नहीं किया जाता, जबकि कला से जुड़े आयोजनों पर भारी-भरकम बजट खर्च किया जाता है। संस्कृति विभाग को यह ध्यान रखना चाहिए कि जो आयोजन होते हैं, वह कलाकार की बदौलत ही होते हैं, इसलिए हमारी सरकार मदद करें। कलाकारों को प्रोत्साहित करें। सरकार से यह मांग है कि संस्कृति विभाग के बजट का एक हिस्सा कलाकारों के उत्थान पर भी खर्च हो, ताकि कलाकारों को अपनी जीविका के लिए संघर्ष न करना पड़े। ओरछा राष्ट्रीय कला महोत्सव में पेंटिंग चित्रकारी, मूर्तिकला शिल्प कला, बुंदेली लोकनृत्य राई मोनिया, गायन,वादन, नृत्य आदि विधाओं का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश राजस्थान सहित देश के गैर हिन्दी भाषी राज्यों में तमिलनाडु आंध्र प्रदेश कर्नाटक तेलंगाना केरल सहित देश के सभी राज्यों के विभिन्न विधाओं के कलाकार झांसी कला महोत्सव के मंच से अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन में चित्रकार, मूर्तिकार, साहित्यकार, अभिनेता,गायक,नृत्य कलाकार शामिल होंगे।

3 माह से नहीं दिया जा रहा खाद्यान्न, हितग्राहियों ने तहसीलदार एवं एसडीएम से की शिकायत

बल्देवगढ़, देशबन्धु। जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायतों में भारी भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी भ्रष्टाचार करने वाले लोगों पर कार्यवाही करने से कतरा रहे हैं। देखा जा रहा है कि न तो भ्रष्टाचारियों में अधिकारियों कोई भय बना है, न ही कार्यवाही का कोई डर है। सिर्फ मिलीभगत का खेल चल रहा है। जिस कारण से हितग्राहियों को खुलेआम धमकी दी जाती है कि हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। चाहे जहां शिकायत करके आ जाओ। ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत तालमऊ का सामने आया है। जहां पर हितग्राहियों को तीन माह से खाद्यान्न नहीं मिला। जिस पर समस्त हितग्राही ट्रैक्टर भरकर अपने छोटे-छोटे बच्चों को लेकर नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर पहुंचे। जहां पर तहसीलदार अरविंद यादव को शिकायती आवेदन दिया। इसके बाद तहसील कार्यालय में सेल्समैन के खिलाफ नारेबाजी कर कार्यवाही करने की मांग की। सेवार गांव से आधा सैकड़ा से अधिक आदिवासी समाज के लोग शिकायत करने पहुंचे और बताया गया कि उन्हें तीन माह से खाद्यान्न नहीं मिला है। बताया गया कि सेल्समैन हरिराम राजपूत जो कि हर माह घर-घर जाकर फिंगर लगवा लेता है और पर्ची दे देता है। लेकिन जब दुकान पर पहुंचते हैं, तो दुकान बंद मिलती है और दूरभाष पर संपर्क करने पर बहाने बनाकर डाल दिया जाता है। धमकी दी जाती है कि तुम्हें जहां शिकायत करना हो, वहां शिकायत करके आ जाओ। सेल्समेन की मनमानी से परेशान होकर समस्त सेवार गांव निवासी आदिवासी समाज के लोगों के द्वारा तहसीलदार एवं एसडीएम से शिकायत की गई। जिस पर तहसीलदार के द्वारा समस्त हितग्राहियों को आश्वासन दिया गया कि सभी लोगों को खाद्यान्न मिलना चाहिए। यदि खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी की जा रही है, तो कार्यवाही की जाएगी। मौके पर सेल्समैन को तत्काल निर्देशित किया गया कि समस्त हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण किया जाए। शिकायत करने में हरदास आदिवासी, दयाराम आदिवासी, जानकी आदिवासी, सुनीता आदिवासी, शांतिबाई आदिवासी, मोहन आदिवासी, देवका आदिवासी, दयाल आदिवासी सहित अधिक संख्या में हितग्राही शामिल रहे।

पुलिस ने 2 गुमशुदा महिलाओं को दस्तयाब कर परिजनों के किया सुपुर्द

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में महिला सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत पुलिस द्वारा गुम बालिकाओं व महिलाओं का साइबर सेल एवं मुखबिर तंत्र से पता कर राज्य से एवं राज्य के बाहर से दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया जा रहा है। पुलिस ने मुस्कान अभियान के अंतर्गत थाना प्रभारी नीरज लोधी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा दो गुमशुदा महिलाओं को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम लाखरोन से 6 नवंबर 2024 को एक महिला अपने परिजनों को बिना बताए लापता हो गई थी। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर गुमशुदा महिला की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस टीम ने महिला को ग्वालियर से दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। इसके अलावा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बीरऊ से 6 मार्च को एक महिला अपने परिजनों को बिना बताए लापता हो गई। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर गुमशुदा महिला की तलाश शुरू कर दी। आज शुक्रवार को महिला अपने भाई व जीजा के साथ पुलिस थाने में आकर दस्तयाब हो गई। पुलिस ने महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द किया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी नीरज लोधी, प्रधान आरक्षक भारत सिंह मरावी, अजय शुक्ला, महिला आरक्षक राखी यादव की मुख्य भूमिका रही।

3 साल पूर्व सड़क के लिए हटाया अतिक्रमण, फिर नही डली सड़क लोगों में आक्रोश

पलेरा, देशबन्धु। नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 11 में 3 वर्ष पूर्व प्रशासन के द्वारा सड़क निर्माण के लिए अवैध अतिक्रमण के नाम पर कई मकान जमींदोज किए गए थे। जिसमें सड़क का निर्माण कार्य उक्त मकानों को तोड़कर कराया जाना था, लेकिन 3 वर्ष बीत जाने के बावजूद आज तक उक्त सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ तक नहीं हुआ है, जिससे स्थानीय निवासियों में काफी आक्रोश है। स्थानीय लोगों के द्वारा बताया गया है कि अतिक्रमण हटाने के बाद उनके द्वारा अभी तक मकान का मेंटेनेंस भी नहीं कराया गया है, क्योंकि यदि सड़क का निर्माण कार्य किया जाता है, तो फिर से तोड़फोड़ होगी। जिस कर से कई मकान आज भी खंडहर स्थिति में है। वही तीन वर्ष पूर्व हटाए गए अतिक्रमण के बाद 3 साल में अभी तक सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, जिससे प्रशासन की कार्य शैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या प्रशासन जानबूझकर उक्त सड़क का निर्माण कार्य नहीं कर रहा है या फिर राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण उक्त सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ न होने से स्थानीय निवासियों में काफी आक्रोश है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ राजनीतिक पहुंच वाले लोगों ने फिर से उक्त जमीन पर अतिक्रमण कर लिया है और अब वही लोग सड़क निर्माण के लिए रोड़ा बन रहे हैं, जिससे स्थानीय निवासी परेशान हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जल्द से जल्द उक्त सड़क का निर्माण कराया जाए।

सीसी सड़क निर्माण में ठेकेदारों की चल रही मनमानी, मंडल अध्यक्ष ने भ्रष्टाचार का लगाया आरोप

बल्देवगढ़, देशबन्धु। नगर में सड़क के दोनों ओर साइट शोल्डर बनाये जा रहे है। उक्त निर्माण कार्य में ठेकेदारों के द्वारा जमकर मनमानी की जा रही है। वहीं मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष नंदू चौरसिया के द्वारा उक्त गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य का विरोध जताया। जिस पर ठेकेदारों के कुछ कर्मचारियों के द्वारा मंडल अध्यक्ष के साथ नौक झोंक की। मंडल अध्यक्ष द्वारा सरकार के द्वारा गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य की बात कही जा रही है, लेकिन फिर भी नगर परिषद के ठेकेदारों के द्वारा भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है और नियम विरुद्ध तरीके से उक्त साइट शोल्डर सीसी सड़क डाली जा रही है। बताया गया कि उत्कर्ष इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसमें सड़क के दोनों ओर साइट शोल्डर 2 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से कराया जा रहा है। निर्माण कार्य में नगर परिषद कर्मचारियों की मिली भगत से घटिया निर्माण कार्य कराया जा रहा है। बताया गया कि न तो सीसी सड़क मे वाइब्रेटर का उपयोग किया जा रहा है, न ही किसी प्रकार से कोई रोलर चलाया जा रहा है, न ही निर्माण कार्य का कोई बोर्ड लगाया गया है। रेत की जगह डस्त का उपयोग किया जा रहा है। नगर में चल रहे निर्माण कार्य को लेकर नगर वासियों में रोष व्याप्त है। वहीं बल्देवगढ़ वार्ड क्रमांक 13 निवासी सुधीर भार्गव ने बताया कि नगर में चल रहे निर्माण कार्य को ठीक ढंग से कराया जाना चाहिए। जबकि इसमें नगर परिषद और ठेकेदारों की खुलेआम धांधली चल रही है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों को संज्ञान लेना चाहिए। ताकि नगर में कराये जा रहे निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हो सके, लेकिन निर्माण कार्यों में जिम्मेदारों की भी लापरवाही स्पष्ट रूप से नजर आ रही है। मौके पर नगर परिषद के उपयंत्री राकेश वर्मा को सूचित किया गया। जिसमें उपयंत्री मौके पर पहुंचे और ठेकेदारों को निर्देशित किया कि किसी प्रकार से लापरवाही और दबंगई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जगह-जगह फैला मटेरियल उड़ रही धूल दुकानदार एवं राहगीर परेशान

नगर में जगह जगह चल रहे निर्माण कार्य को लेकर मटेरियल फैला हुआ है। जिसमें पुलिस थाना परिसर के पास सड़क किनारे नाली निर्माण कार्य कराया गया है। जिसमें खुदाई के दौरान मिट्टी को सड़क किनारे रखा गया था। निर्माण कार्य होने के बाद भी जगह जगह मिट्टी के ढेर लगे हुए हैं। जिस कारण से राहगीरों एवं वाहन चालकों को अधिक परेशानी हो रही है एवं दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

दुकानों में रखी खाद्य सामग्री पर जम रही धूल

नगर में खाद्य सामग्री की दुकानों में धूल जम रही है। नगर में सड़क पर फैली हुई मिट्टी जिस पर पानी का छिड़काव न होने से तेज रफ्तार में निकल रहे वाहन धूल उड़ा रहे हैं। उक्त धूल दुकानों में जम रही है। कई प्रकार की खाद्य सामग्री पर भी धूल जम रही है। वहीं खाद्य सामग्री ग्राहक लेकर उपयोग कर रहे हैं, जिस कारण से स्वास्थ्य के लिए खतरा बन रहा है। नगर परिषद सीएमओ देवेंद्र आर्य ने बताया कि मौके पर निरीक्षण कराया जाएगा यदि लापरवाही की जाती है, तो कार्यवाही की जाएगी।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

चिचोली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंत्री प्रहलाद पटेल के इस्तीफे की मांग की

चिचोली, देशबन्धु। प्रदेश सरकार में मंत्री प्रहलाद पटेल के विवादित बयान को लेकर कांग्रेस पार्टी प्रदेशभर में प्रदर्शन कर रही है। इसी क्रम में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष चिचोली विजय आर्य के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को तहसीलदार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय आर्य ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि जनता के प्रतिनिधि को जनसेवक की तरह काम करना चाहिए, लेकिन भाजपा सरकार अपनी असली मानसिकता का परिचय दे रही है।

ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रहलाद पटेल के इस्तीफे की मांग की। साथ ही चिचोली तहसील परिसर में एसडीएम कोर्ट की लिंक प्रारंभ करने, रिकॉर्ड रूम उपलब्ध कराने और तहसील कार्यालय में कोषालय खोले जाने की भी पुरजोर मांग रखी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि 1984 और 1950 के पुराने रिकॉर्ड निकालने के लिए लोगों को बैतूल तक भटकना पड़ता है, जो बेहद असुविधाजनक है। इस मौके पर पूर्व जनपद उपाध्यक्ष बटनु पटेल, डॉ. कमलेश सोनी, रमेश मालवी, राजकुमार सोनी (वकील), सुरेश आर्य (पार्षद), महेंद्र आर्य, अशोक राठौर, अनिल पोस्टमैन, राहुल पटेल, रूपेश आर्य, सोनू जायसवाल, संदीप आर्य, सुरका सिंह, विकास आर्य, नवनीत आर्य, मनीष आर्य, चंचल आर्य, रोहित आर्य (पार्षद), अभिषेक सोनी, दिलीप आर्य, नीरज सोनी, भूपेंद्र आर्य, अमित आर्य, सुरेंद्र सोलंकी (वकील), महेंद्र गिरी, राजेश राठौर, गणेश करोचे, आशीष सोनी (वकील), अभिषेक सोलंकी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत आज, जनता को मिलेगा त्वरित न्याय

बैतूल, देशबन्धु। जिला न्यायालय में 8 मार्च को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार किया जा रहा है। जिला न्यायालय बैतूल में शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष दिनेश चंद्र थपलियाल द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे न्यायालय परिसर बैतूल में होगा। इस कार्यक्रम में जिला मुख्यालय के समस्त न्यायाधीशगण शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त नेशनल लोक अदालत का वर्चुअल माध्यम से भी प्रात: 10 बजे उद्घाटन होगा जो मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मुख्य संरक्षक सुरेश कुमार कैथ द्वारा किया जाएगा। इस दौरान जिले के सभी न्यायाधीशों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ने के निर्देश दिए गए हैं। जिला न्यायालय बैतूल के न्यायाधीशों को सुबह 9:30 बजे वीसी कक्ष में उपस्थित होने को कहा गया है, जबकि तहसील विधिक सेवा समिति आमला, भैंसदेही और मुलताई के न्यायाधीशों को अपने-अपने सिविल न्यायालयों में वीसी के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। इस आयोजन का उद्देश्य जनता को त्वरित और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है।

एकल विद्यालय आचार्यो का जिला स्तरीय वार्षिक प्रशिक्षण वर्ग शुरू

चिचोली, देशबन्धु। ग्राम नसीराबाद के शिवा लान मे एकल विद्यालय आचार्यो का पाच दिवसीय जिला स्तरीय अभ्यास प्रशिक्षण वर्ग की शुरूआत संघ प्रमुख दिनेश आर्य, राकेश सोनी, भाजपा नेत्री सपना इवने, रानी गुप्ता, समाजसेवी तारा आर्य, ममता मोखडे, संच अध्यक्ष सुरेन्द्र बावने दवरा की। प्रशिक्षण प्रभारी सुरेश धुर्वे ने बताया ग्रामीण क्षेत्र के गरीब तबके और छोटे बच्चो प्रारंभिक संस्कार कारीक शिक्षा प्रदान की जा रही है । हमारे गांव गांव मे आचार्य है । संघ प्रमुख दिनेश आर्य ने बताया एकल अभियान विद्यालय के आचार्य कम मानदेव मिलने पर भी बच्चो की संस्कार वान बनाने का प्रयास कर रहे है, जो काबिले तारीफ है। संघ तहसील प्रवक्ता राकेश सोनी ने कहा एकल आचार्य इस अभ्यास वर्ग मे सिखे और अपने अपने गांव जाकर छोटे बच्चो को शिक्षण दे, ताकी उनका भविष्य उज्जवल हो। सपना इवने ने कहा सब बहने संघर्षरत है. कम मानदेय मिलने पर बडी मेहनत करती है। आपका मानदेय अगामी समय मे जरूर बढेगा। संच अध्यक्ष सुरेन्द्र बावने ने कहा 5 मार्च से दस मार्च तक जिला स्तरीय एकल आचार्यो प्रशिक्षण वर्ग हो रहा है, जहा दामजीपुरा. भीमपुर. भैसदेही. आमला, सारणी, शाहपुर, घोडाडोगंरी तथा चिचोली ब्लॉक के आचार्य उपस्थित होकर अभ्यास प्रशिक्षण ले रहे है। इसी दौरा अजिविका मिशन प्रबंधन सुरेन्द्र चौहान ने महिलाओ को गांव समूह बनाकर लखपति दिदी बनकर अपना कुशल जीवन जीने की बाते बताई और महिलाओ के हित मे चल रही शासन की योजनाओ के बारे जानकारी दी। इस अवसर पर महिला संगठन की यशवंती परते, कुम्हारे दिदी, उइके मैडम, एकल अभियान के जगदीश यादव, सोनू यादव, आनंद विश्वकर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

हर्षा अग्रवाल ने शिक्षा और अध्यात्म से बदली हजारों जिंदगियां

- **सरकारी नौकरी में रहकर भी समाज सेवा को बना लिया जीवन का लक्ष्य**
- **गरीब बच्चों की पढ़ाई से लेकर नशामुक्ति तक, हर क्षेत्र में आगे हैं**

बैतूल, देशबन्धु। शिक्षा, अध्यात्म, समाजसेवा और नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपना विशेष योगदान देने वाली हर्षा मनोज अग्रवाल एक अनुकरणीय व्यक्तित्व हैं। सरकारी नौकरी में रहते हुए भी उन्होंने शासन की हर योजना को आमजन तक पहुंचाने का कार्य किया और आज भी समाज की भलाई के लिए जमीन से जुड़कर कार्य कर रही हैं। परमार्थ से जुड़े कार्यों में उनकी विशेष रुचि है और वे समाजसेवा को ईश्वरीय सेवा मानती हैं।

उनके प्रयासों से सैकड़ों लोग आध्यात्मिक चेतना जागृत कर नशे से मुक्त हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़कर कार्य करना उनकी खास रुचि है। वे नारी शक्ति, पर्यावरण संरक्षण, पारिवारिक परामर्श, बाल व्यक्तित्व निर्माण और अध्यात्म जागरूकता के माध्यम से नशामुक्ति को मूर्त रूप देने में जुटी हुई हैं। उनका मानना है कि समाज के हर व्यक्ति को जनसहयोग को पुण्य समझकर समाज कल्याण में योगदान देना चाहिए।

पेशे से शिक्षिका हर्षा अग्रवाल लोक संस्कृति, अध्यात्म और समाजसेवा के क्षेत्र में भी एक मजबूत पहचान रखती हैं। उन्होंने 1984 में झल्लार में बतौर शिक्षिका अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद 1992 से राम नगर स्कूल में 10 वर्षों तक सेवाएं दीं। 1999 में अर्जुन नगर स्कूल में स्थानांतरण हुआ और वर्तमान में वहीं पदस्थ हैं। समाजसेवा में भी वे हमेशा आगे रही हैं। 1992 में उन्होंने श्री माली जी के सानिध्य में अपने आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत की और आज भी अध्यात्म के क्षेत्र में लोगों को मार्गदर्शन दे रही हैं। मात्र 16 वर्ष की उम्र में उन्होंने प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा जगत में योगदान देना शुरू किया था, जो आज तक जारी है। आदिवासी लोकगीत और लोकनृत्य को मंच प्रदान करने में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई। लोक संस्कृति को लेकर उन्होंने दूरदर्शन पर अपना नाटक भी प्रस्तुत किया। समाज के गरीब बच्चों की पढ़ाई का खर्च उन्होंने खुद उठाया और 25 बालिकाओं को शिक्षित कर उन्हें रोजगार से जोड़ा।

हर्षा मनोज अग्रवाल भाषाओं की भी गहरी समझ रखती हैं। उन्हें गोंडी, मराठी सहित कई क्षेत्रीय बोलियों का अच्छा ज्ञान है, जिससे वे विभिन्न समुदायों से आसानी से जुड़कर उनकी समस्याओं को समझती और समाधान प्रदान करती हैं। वर्तमान में वे हाई स्कूल हमलापुर में पदस्थ हैं।* इतने सेवा कार्यों के बावजूद वर्तमान में वे राजस्व विभाग की प्रताड़ना का सामना कर रही हैं। इसके बावजूद उनके समाजसेवा के कार्यों में कोई कमी नहीं आई है। हर्षा अग्रवाल का जीवन एक मिसाल है, जो यह दिखाता है कि यदि मन में सेवा का भाव हो तो कोई भी परिस्थिति आपको रोक नहीं सकती।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कुर्सी दौड़ और सांस्कृतिक कार्यक्रम आज

बैतूल, देशबन्धु। समस्त आदिवासी समाज संगठन महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आज 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर आदिवासी समाज की महिलाओं और छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा, साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है।

सामाजिक कार्यकर्ता देवेश्वरी मरकाम और गीता उइके ने बताया कि यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे आदिवासी सामुदायिक मंगल भवन, गुरुद्वारा रोड, बैतूल में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के उद्बोधन के अलावा महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रम के अंत में स्वल्पाहार की व्यवस्था भी रहेगी। इस आयोजन में जिले भर से आदिवासी समाज की छात्राएं, महिलाएं, सामाजिक संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। आयोजकों ने समाज के सभी सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है ताकि महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा सके।

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह आज

ताप्ती महिमा मंडल समिति बैतूल के तत्वावधान में 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन एवं सम्मान समारोह का आयोजन दोपहर 1 बजे जे एच कॉलेज ऑडिटोरियम में किया गया है। संस्था अध्यक्ष श्रीमती रेखा अहिरवार ने बताया कि इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में हेमंत खंडेलवाल विधायक बैतूल, श्रीमती गंगा उइके विधायक घोड़ाडोंगरी, श्रीमती पार्वती बारस्कर नपाध्यक्ष बैतूल, सुश्री वासु कनौजिया सीसीएफ, सुश्री शिखा भलावी डीएसपी बैतूल एवं समाज सेवी श्रीमती गौरी बालापुरे उपस्थित रहेंगे। श्रीमती रेखा अहिरवार ने सभी से उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

दिव्य गर्भ संस्कार समारोह होगा – अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बैतूल में पहली बार दिव्य गर्भ संस्कार समारोह का आयोजन होने जा रहा है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह विशेष कार्यक्रम ब्रह्मकुमारी बैतूल, आरके मेमोरियल हॉस्पिटल और वूमन विंग आरईएएफ की संयुक्त पहल पर आयोजित किया जाएगा। यह समारोह गर्भस्थ शिशु को आध्यात्म और संस्कारों से जोड़ने का अनूठा प्रयास है। आरके मेमोरियल हॉस्पिटल की संचालक और दिव्य गर्भ संस्कार समिति की आयोजक डॉ कृष्णा मौसिक ने बताया कि यह आयोजन दोपहर 12 बजे से आरके मेमोरियल हॉस्पिटल में होगा। कार्यक्रम में ब्रह्मकुमारी बैतूल की संचालिका और वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके मंजू दीदी विशेष मार्गदर्शन देंगी। डॉ कृष्णा मौसिक ने बताया कि स्वस्थ मां और स्वस्थ संतान से ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होता है। यदि मां गर्भावस्था के दौरान दिव्यता अपनाए तो उसकी संतान नैतिक, चारित्रिक और दैवीय रूप से शक्तिशाली होती है। महाभारत के अभिमन्यु का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गर्भस्थ शिशु मां के माध्यम से ही ज्ञान प्राप्त करता है। इसलिए इस विशेष आयोजन के जरिए गर्भवती माताओं को संस्कारित और आध्यात्मिक वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। डॉ मौसिक ने सभी गर्भवती महिलाओं से इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है ताकि वे अपने गर्भस्थ शिशु को सकारात्मक ऊर्जा और संस्कार दे सकें।

मंत्री प्रहलाद पटेल के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन आज

बैतूल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा जनता के लिए भीख मांगने जैसी अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल ने 8 मार्च को बड़ा धरना प्रदर्शन आयोजित किया है।

यह प्रदर्शन जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे के नेतृत्व में दोपहर 12 बजे जिला उद्योग कार्यालय के सामने होगा। कांग्रेस का कहना है कि जब तक पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगते और इस्तीफा नहीं देते, तब तक यह विरोध जारी रहेगा। जिला कांग्रेस प्रवक्ता मोनू वाघ ने बताया कि इस धरना प्रदर्शन में कांग्रेस प्रदेश महामंत्री एवं जिला प्रभारी राजकुमार केलु उपाध्याय और सह प्रभारी अजय दांतरे विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। हेमंत वागद्रे ने कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों, पूर्व विधायकों, प्रदेश मोर्चा संगठनों के पदाधिकारियों, जिला पंचायत सदस्यों, जनपद अध्यक्षों, नगरपालिका अध्यक्षों, नेता प्रतिपक्ष, पार्षदों, सेवादल, महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई सहित सभी संगठनों और कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में धरना स्थल पर पहुंचने की अपील की है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जब तक प्रहलाद पटेल अपने पद से इस्तीफा नहीं देते, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

विज्ञान दिवस पर छात्राओं ने पोस्टर-पेंटिंग और क्विज़ में दिखाया हुनर

विजेताओं को मिला पुरस्कार

बैतूल, देशबन्धु। पीएम श्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल में विज्ञान दिवस धूमधाम से मनाया गया। यह आयोजन नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन (एनसीएसटीसी), डीएसटी, भारत सरकार, नई दिल्ली और एमपी काउंसिल ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एमपीसीएसटी), भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्राचार्य डॉक्टर मीनाक्षी चौबे के मार्गदर्शन और संयोजक प्रोफेसर अर्चना सोनारे के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना, जागरूकता फैलाना और उनकी क्रिएटिविटी को निखारना था। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समापन अवसर पर तीन प्रमुख विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, छिंदवाड़ा से आए भौतिक शास्त्र के प्राध्यापक डॉक्टर जिनेंद्र कुमार डोंगरे ने महान वैज्ञानिक डॉक्टर सीवी रमन के जीवन पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेने की बात कही।

सिवनी महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र वैज्ञानिक प्राध्यापक डॉक्टर शेषराव नावंगे ने भारतीय संस्कृति और वेदों के ज्ञान से विज्ञान को समझने पर जोर दिया। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, प्रायोगिक अनुसंधान और वैज्ञानिक सोच को अपनाने की जरूरत बताई। महाविद्यालय की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं रिटायर्ड प्रोफेसर डॉक्टर अलका पांडे ने छात्राओं को जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने न्यूटन और सीवी रमन के उदाहरण देकर बताया कि सजगता ही नई खोजों का आधार होती है।

विज्ञान दिवस पर आयोजित प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता में शारदा, आयुषी और तमन्ना को तृतीय, प्रीति चौधरी और रोशनी को द्वितीय तथा सलोनी राने, रिया पवार और आस्था को प्रथम पुरस्कार मिला। साइंटिफिक पेंटिंग में वैष्णवी पवार को तृतीय, स्नेहा और आब्दा अली को द्वितीय तथा मौसमी, अंकिता और तेजस्विनी को प्रथम स्थान मिला। पोस्टर प्रेजेंटेशन में तृतीय पुरस्कार निकिता वराठे, सोनम चौधरी और छाया सोनारे को मिला, द्वितीय पुरस्कार खुशी पारखे और सोनाली साहू को मिला, जबकि प्रथम पुरस्कार आयुषी शारदा और शीतल के नाम रहा।

क्विज़ प्रतियोगिता में भी छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रथम पुरस्कार शिल्पा बोस, द्वितीय प्रियंका धुर्वे और तृतीय नौशीन बानो ने जीता। इस मौके पर प्रोफेसर अर्चना सोनारे ने आभार व्यक्त किया। मंच संचालन प्रोफेसर संतोष पवार और प्रोफेसर दीपिका साहू ने किया। कार्यक्रम की सफलता में डॉक्टर महेंद्र नावंगे, प्रोफेसर राजकुमार चौकीकर, प्रोफेसर पंकज बारस्कर, डॉक्टर प्रीतिबाला पाल और प्रोफेसर प्रीति नावंगे सहित पूरे आयोजन दल का विशेष योगदान रहा।

चिचोली में उपभोक्ताओं से बिजली कंपनी की खुली लूट, पार्षद ने खोला मोर्चा

कलेक्टर के नाम चिचोली तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बैतूल, देशबन्धु। नगर परिषद चिचोली की वार्ड क्रमांक 15 की पार्षद नेहा रूपेश आर्य ने बिजली कंपनी की मनमानी और सरकार के भ्रामक प्रचार से परेशान उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने मांग की है कि बिजली कंपनी की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

ज्ञापन में बताया गया कि चिचोली क्षेत्र में मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है। सरकार की योजनाओं की घोषणा तो अलग होती है, लेकिन जब उपभोक्ता बिजली कार्यालय जाते हैं तो उन्हें नई-नई बातें बताकर गुमराह किया जाता है। पार्षद ने हाल ही में मुख्यमंत्री द्वारा किसानों को 5 रुपये में कनेक्शन देने की घोषणा का भी जिक्र किया और कहा कि इसे जमीन पर जाकर देखा जाए तो हकीकत कुछ और ही होगी। इस संबंध में उपभोक्ता राकेश नरेंद्र सोनी का उदाहरण दिया गया, जिनका मकान सोनपुर में स्थित है। कोविड काल के दौरान 1 से 2 किलोवाट तक के उपभोक्ताओं के बिजली बिल माफ करने की योजना चलाई गई थी, लेकिन अब कंपनी ने उसी योजना के दौरान का बकाया चार साल बाद निकालकर भेज दिया है। 12 फरवरी को उन्हें 5576 रुपये का पहला नोटिस जारी किया गया, जबकि इससे पहले कोई नोटिस नहीं दिया गया था। इस बीच उपभोक्ता ने अपने सभी बिल नियमित रूप से जमा किए, फिर भी चार साल पुराने बिल की राशि मांगी जा रही है। उपभोक्ता ने 5576 रुपये जमा करने की सहमति भी दे दी, लेकिन जब वे कार्यालय पहुंचे तो अधिकारियों ने 16 प्रतिशत ब्याज जोड़कर 9602 रुपये जमा करने को कहा। उपभोक्ता ने

इस पर आपत्ति जताई, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे साफ जाहिर होता है कि बिजली कंपनी अपने मनमाने नियमों से उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है। पार्षद नेहा रूपेश आर्य ने इस मामले में निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। इस ज्ञापन की प्रतिलिपि अधीक्षण यंत्री, बैतूल और सहायक यंत्री, चिचोली को भी भेजी गई है ताकि आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट

यवतमाल ने आखिरी विकेट बचाकर हासिल की संघर्षपूर्ण जीत

बैतूल, देशबन्धु। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम कोठी बाजार में आयोजित अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट राजीव कप में शुक्रवार को अमरावती की देवेंद्र कपिले क्रिकेट अकादमी और यवतमाल की दुक्कन बुल्स के बीच हुए मुकाबले में दर्शकों ने रोमांच की पराकाष्ठा देखी।

अमरावती ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन पूरी टीम मात्र 193 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से सिर्फ कप्तान संस्कार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 53 गेंदों पर 108 रनों की धुआंधार पारी खेली। यह टूर्नामेंट का पांचवां शतक था। यवतमाल की गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाज अथर्वा ने 4 विकेट लेकर अमरावती को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यवतमाल की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने जल्दी-जल्दी विकेट गंवा दिए और अमरावती के कप्तान संस्कार ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट चटका दिए। इस मुश्किल घड़ी में तुषार सूर्यवंशी ने मोर्चा संभाला और सिर्फ 32 गेंदों पर 82 रनों की तूफानी पारी खेली, जिससे यवतमाल की टीम मजबूत स्थिति में आ गई। लेकिन मैच में रोमांच तब बढ़ गया जब अमरावती के गेंदबाज ओबेद ने एक ही ओवर में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर यवतमाल को फिर से बैकफुट पर धकेल दिया। आखिरी ओवर तक चले इस संघर्ष में आखिरकार यवतमाल ने एक विकेट से जीत हासिल कर ली।

आयोजन समिति के अध्यक्ष राजकुमार दीवान (यादव) और विश्वास ऋषि दीक्षित ने इस रोमांचक मुकाबले की सराहना की। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार संस्कार को उनकी ऑलराउंड परफॉर्मेंस के लिए प्रवीण गर्ग और अमजद पठान ने दिया, जबकि ओबेद को शानदार गेंदबाजी के लिए आयोजन समिति द्वारा 501 रु का इनाम दिया गया। आज के मुख्य अतिथियों में कांतू दीक्षित, विक्की मिश्रा, प्रियंक अग्रवाल, अब्दुल हक, प्रवीण गर्ग और नितिन शर्मा मौजूद रहे। मैच की कमेंट्री अभिजीत राठौर, विक्की पवार और अतुल शर्मा ने संभाली, ऑनलाइन स्कोरिंग हर्षित पंडाग्रे और ऑफलाइन स्कोरिंग मनोज दहिकर ने की।

बेटियों की शिक्षा के लिए मां ने संभाली कमान

- **अटल सेना ने महिला दिवस पर किया सम्मानित**

बैतूल, देशबन्धु। आज महिला सिर्फ घर तक सिमित नहीं है वह अपने बच्चों का भविष्य बनाने के लिए घर को संभालते हुए पति का बराबरी से आर्थिक सहयोग भी करती है। ऐसे ही मरामझिरी पंचायत की रहने श्रीमती लक्ष्मी राजू पवार की कहानी है। विश्व महिला दिवस के अवसर पर अटल सेना ने लक्ष्मी पंवार को मिष्ठान खिलाकर, पुष्पमाला पहनाकर, शाल श्रीफल भेंट कर व पुष्पवर्षा कर सम्मानित किया।

इस मौके पर संगठन के प्रांताध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौहान (केन्दु बाबा) ने बताया कि लक्ष्मी के पति राज मिस्त्री का कार्य करते हैं जिससे घर चलता है। लक्ष्मी की दो बिटियों की शिक्षा का जिम्मा उठाने वे आगे आयी और आजीविका मिशन से 50 हजार रूपए का लोन लेकर 2022 में लक्ष्मीबाई में चाय नाश्ता की दुकान शिवाजी चौक बैतूल शुरू की। आज वह कड़ी मेहनत कर अपनी दोनों बेटियों को अच्छी शिक्षा देने में सहयोग प्रदान कर रही है। लक्ष्मी पवार की दो बेटियां है, बड़ी बेटी वैशाली पवार भोपाल में एमए की पढ़ाई कर रही है। दूसरी छोटी बेटी मुस्कान पवार सदर आईटीआई में कंप्यूटर ऑपरेटर का कोर्स कर रही है। केन्दु बाबा ने बताया कि अटल सेना विश्व महिला दिवस पर उन महिलाओं को सम्मानित करता है जिन्होने उल्लेखनीय

योगदान दिया है। श्री चौहान ने कहा कि संगठन उनके इस संघर्ष कि प्रशंसा और उनके इस जुनून को नमन करता है। इस अवसर पर श्रीमती कृष्णा नामदेव, सेवंती साहू, सुनीता राठौर, सुधा खंडारे, नर्मदा शेषकर, मीना धुर्वे आदि मौजूद थी।

देवीनारायण गोचरे का निधन, अंतेष्टि आज

बैतूल, देशबन्धु। सिंचाई विभाग बैतूल में कार्यरत देवीनारायण गोचरे का शुक्रवार को भोपाल के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे अपने पीछे पिता सुखदेव गोचरे और दो पुत्रों अमित और सुमित का भरापुरा परिवार छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार आज 8 मार्च को उनके गृह मलकापुर रोड, ग्राम भैंसदेही में होगा। अंतिम यात्रा उनके गृह निवास से प्रात: 9 बजे निकाली जाएंगी। देवीनारायण गोचरे के निधन पर उनके सामाजिक बंधु, इष्टमित्रों, सिंचाई विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों, गणमान्य नागरिकों ने शोक व्यक्त किया है।

आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं त्यौहार: एसडीएम

शांति समिति की बैठक संपन्न

खेड़ली बाजार, देशबन्धु। आगामी होली, धुरेंडी, रंगपंचमी सहित अन्य धार्मिक त्यौहारों को मद्देनजर रखते हुए बोरदेही थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से एसडीएम शैलेन्द्र बड़ोनिया, नायब तहसीलदार श्याम बिहारी समेले, थाना प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम वट्टी, सरपंच अतुल पारखे सहित क्षेत्र के डीजे संचालक, दुर्गा उत्सव समिति के सदस्य, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

शांति समिति की बैठक में एसडीएम शैलेन्द्र बड़ोनिया ने सभी क्षेत्रवासियों से कहा की हमें हमारे आगामी सभी त्यौहारों को आपसी भाईचारे, प्रेम तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाना चाहिए। त्यौहारों के समय आपसी द्वेष, बुराई को भुलाकर सादगी से त्यौहारों का आयोजन किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट तथा शासन की गाइडलाइन के अनुसार ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का

उपयोग किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि त्यौहारों के समय माहौल बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई भी होगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने क्षेत्र वासियों से अपील की है कि वर्तमान में छात्र छात्राओं की वार्षिक परिक्षाएं भी चल रही है जिसके चलते हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि त्यौहारों के चलते बच्चों की पढ़ाई पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े बैठक में थाना प्रभारी ने उपस्थित गणमान्य नागरिकों से आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए सुझाव भी मांगे जिस पर नागरिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में होने वाले होली, रंगपंचमी उत्सव के संबंध में थाना प्रभारी को अवगत कराया तथा क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों के बारे में बातें रखी। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी आमला शैलेन्द्र बड़ोनिया, नायब तहसीलदार श्याम बिहारी समेले, थाना प्रभारी राधेश्याम वट्टी, सरपंच अतुल पारखे, वरिष्ठ भाजपा नेता भवानी प्रसाद सूर्यवंशी, प्रेम नारायण मालवीय, संजय सूर्यवंशी, कुरैशी सर, अनीष साहु, सतीष साहु, राजा सूर्यवंशी, रोशन भुमरकर, जनपद सदस्य सुजीत खंडाग्रे, ललित सूर्यवंशी, योगेश सोनी सहित आसपास की ग्राम पंचायतों के सरपंच, दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष, डीजे संचालक, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बोरदेही थाने का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

रिलायंस	3.18 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	1.62 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.36 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	0.81 प्रतिशत
टाटा स्टील	0.80 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

जोमैटो	3.82 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	3.53 प्रतिशत
एनटीपीसी	2.49 प्रतिशत
इंफोसिस	1.60 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.55 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	87,563
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,01,200
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	86. 92	87.20
पौंड स्टर्लिंग	106.21	106.45
यूरो	88.45	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4280-4380
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4250-4350

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	9200-9300
मूंग दाल	9250-9350
अरहर दाल	8400-8500

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

चौथी तिमाही में तीव्र गति से बढ़ेगी जीडीपी

- सुधार दर्शाने वाले सकारात्मक संकेतकों में जीएसटी कलेक्शन व ई-वे बिल जनरेशन में वृद्धि शामिल
- आरबीआई का आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए दरों को और कम करने की उम्मीद

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। हाल ही में जारी बैंक ऑफ बड़ौदा की लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार अर्थव्यवस्था के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर के आधार पर चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में भारत की जीडीपी वृद्धि में तेजी आने की उम्मीद है।

चौथी तिमाही में सुधार दर्शाने वाले सकारात्मक संकेतकों में जीएसटी कलेक्शन, ई-वे बिल जनरेशन में वृद्धि शामिल है। जीएसटी कलेक्शन जनवरी-फरवरी 2025 में औसतन 3.8 लाख करोड़ रुपए रहा, जो जनवरी-फरवरी 2024 में 3.4 लाख करोड़ रुपए था। ई-वे बिल जनरेशन जनवरी 2025 में 23.1 प्रतिशत हो गया, जबकि जनवरी 2024 में 16.4 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 16.9 प्रतिशत था। जनवरी-फरवरी 2025 में टोल कलेक्शन में औसतन 16.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि जनवरी-फरवरी 2024 में 11.2 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी-फरवरी 2025 की अवधि में हवाई यात्री ट्रैफिक और वाहन रजिस्ट्रेशन जैसे संकेतक कम हुए, लेकिन कुंभ मेले के कारण उपभोग, सेवाओं और एफएमसीजी सेक्टर को बढ़ावा मिलने से चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में वृद्धि का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पूरे वर्ष के लिए कृषि क्षेत्र में मजबूत वृद्धि को देखते हुए, 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जिसने पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 1.5 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में तीसरी तिमाही में 5.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

रिपोर्ट में यह भी उम्मीद की गई है कि मुद्रास्फीति में कमी आने के कारण आरबीआई आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख दरों को और कम करेगा। इसमें बताया गया है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत से 25 आधार अंकों से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया और रुख को न्यूट्रल रखा गया। आरबीआइ गवर्नर ने विकास को समर्थन देने के लिए लेस रिस्ट्रिक्टिव मौद्रिक नीति की आवश्यकता पर ध्यान दिया क्योंकि मुद्रास्फीति आरबीआइ के लक्षित बैंड के भीतर बनी हुई है।?

भारत का लॉन्ग-टर्म आउटलुक मजबूत : एचएसबीसी

नई दिल्ली। भारत का लॉन्ग-टर्म आउटलुक मजबूत बना हुआ है और इंवेस्टमेंट साइकल मध्यम अवधि में तेजी की ओर बढ़ने का अनुमान है, जिसे इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग में सरकारी निवेश, निजी निवेश में तेजी और रियल एस्टेट साइकल रिकवरी से समर्थन मिलेगा। शुक्रवार को जारी एचएसबीसी की एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की मार्केट आउटलुक रिपोर्ट 2025 में रिन्यूएबल एनर्जी और इससे जुड़ी सप्लाई चेन में अधिक निजी निवेश, हाई-एंड टेक्नोलॉजी कंपोनेंट्स के स्थानीयकरण और भारत के तेजी से विकास को सपोर्ट करने के लिए ग्लोबल सप्लाई चेन का अधिक सार्थक हिस्सा बनने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया गया है कि हालिया सुधार के बाद, निफ्टी की वैल्यूएशन अब इसके 5/10-वर्ष के औसत के अनुरूप है। हम अधिक मजबूत मीडियम टर्म ग्रोथ आउटलुक द्वारा समर्थित भारतीय इक्विटी पर रचनात्मक बने हुए हैं। निफ्टी अब 18.1 गुना, वन-ईयर फॉरवर्ड प्राइस टू अर्निंग रेश्यो पर कारोबार कर रहा है। यह अब अपने 5-वर्षीय औसत से 7 प्रतिशत कम है और अपने 10-वर्षीय औसत के अनुरूप है। जनवरी और फरवरी में तेज सुधार के बाद मिडकैप और स्मॉलकैप स्पेस में वैल्यूएशन में भी कमी आई है।

सेबी ने नेस्ले इंडिया को जारी की चेतावनी

मुंबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इनसाइडर ट्रेडिंग नियमों के उल्लंघन को लेकर एफएमसीजी प्रमुख नेस्ले इंडिया को प्रशासनिक चेतावनी जारी की है। इस बारे में कंपनी ने शुक्रवार को एक्सचेंजों को जानकारी दी। सेबी के उप महाप्रबंधक द्वारा जारी की गई चेतावनी कंपनी के अनुपालन अधिकारी (सीसीओ) को भेजी गई थी। नेस्ले इंडिया ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में खुलासा किया कि कंपनी को 6 मार्च, 2025 को सेबी का पत्र मिला। कंपनी के भीतर एक नामित व्यक्ति द्वारा यह उल्लंघन किया गया था। हालांकि, कॉफी और चाय निर्माता ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे का उसके वित्तीय, परिचालन या दूसरी बिजनेस एक्टीविटीज पर कोई असर नहीं पड़ता है। सेबी के अनुसार, उल्लंघन में कॉन्ट्रा ट्रेड शामिल था। ऐसा तब होता है जब कोई इनसाइडर शॉर्ट-टर्म प्रॉफिट के उद्देश्य से उसी सुरक्षा में पिछले लेनदेन के छह महीने के भीतर शेयर खरीदता या बेचता है।

इस मुद्दे का उसके वित्तीय, परिचालन या दूसरी बिजनेस एक्टीविटीज पर कोई असर नहीं पड़ता है : सेबी

सेबी के नियम अनपब्लिश्ड प्राइस सेंसिटिव इंफोर्मेशन का गलत इस्तेमाल रोकने के लिए इनसाइडर और उनके रिश्तेदारों के लिए इस तरह का ट्रेड करने पर सख्ती से रोक लगाते हैं। छह महीने की प्रतिबंध अवधि की गणना प्रारंभिक लेनदेन की तारीख से की जाती है।

चेतावनी के बावजूद, नेस्ले इंडिया के शेयर ने बाजार में अच्छा प्रदर्शन किया। शुक्रवार को कंपनी का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2,245.80 रुपये पर पहुंच गया। इस बीच, एफएमसीजी कंपनी ने चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2025) की तीसरी तिमाही में अपने कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ में 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

भारत की डिजिटल इकोनॉमी 10 गुना बढ़ी

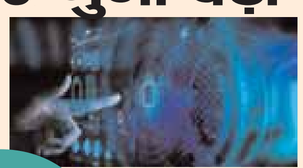

ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा छूने की राह पर अग्रसर

बेंगलुरु, 7 मार्च (एजेंसियां)। आईपीओ बाजार में हो रहे विकास के बीच भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था 10 गुना बढ़ी है, जो 1 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े की ओर बढ़ रही है। शुक्रवार को जारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल ग्लोबल लिस्टिंग में इसका हिस्सा 30 प्रतिशत से अधिक था।

पिछले साल ग्लोबल आईपीओ वॉल्यूम में भारत का योगदान 31 प्रतिशत रहा, कुल फंड जुटाने में 3 बिलियन डॉलर जुटाए गए। देश का लक्ष्य 2030 तक 13 ट्रिलियन डॉलर का बाजार पूंजीकरण हासिल करना है, जो मजबूत निवेशक भागीदारी की वजह से देखा जा रहा है। यह जानकारी एक कार्यक्रम में लांच की गई रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की रिपोर्ट में दी गई है।

100 से अधिक यूनिकॉर्न और सूनिकॉर्न की बढ़ती पाइपलाइन के साथ, भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम हाइपरग्रोथ से आगे निकलकर लाभप्रदता, प्रीमियमाइजेशन और ऑम्नीचैनल अडॉप्शन की ओर बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम में भारत के आईपीओ बूम पर भी चर्चा की गई। इस क्षेत्र में 2024 में 330 से अधिक लिस्टिंग देखी गईं।

2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य : गडकरी

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए तुरंत बेहतर उपाय किए जाने की जरूरत है। उन्होंने सड़क निर्माण इंडस्ट्री से नई टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबल रिसाइकल किए जाने वाली निर्माण सामग्री अपनाकर सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए रणनीति विकसित करने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सरकार का लक्ष्य 2030 तक दुर्घटनाओं की दर में 50 प्रतिशत की कमी लाना है।

राष्ट्रीय राजधानी में दो दिवसीय ग्लोबल रोड इंफ्राटेक समिट एंड एक्सपो (जीआरआईएस) में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में होने वाली अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं सड़क डिजाइन, निर्माण और प्रबंधन में खराब सिविल इंजीनियरिंग प्रैक्टिस और अनुचित सड़क संकेत और मार्किंग सिस्टम के कारण होती हैं।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने सुझाव दिया कि स्पेन, ऑस्ट्रिया और स्विट्जरलैंड जैसे देशों में जो किया जा रहा है, उसे देखकर सुधार किया जा सकता है।

देश में होने वाली अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं सड़क डिजाइन, निर्माण व प्रबंधन में खराब सिविल इंजीनियरिंग प्रैक्टिस और अनुचित सड़क संकेत और मार्किंग सिस्टम के कारण होती हैं : नितिन गडकरी

भारत में 4,80,000 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, 1,80,000 मौतें हुई और लगभग 4,00,000 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। इनमें से 1,40,000 दुर्घटनाएं 18-45 वर्ष की आयु के लोगों की हैं और इनमें ज्यादातर दोपहिया वाहन सवार और पैदल यात्री प्रभावित हुए हैं।

सार संक्षेप

टेक महिंद्रा ने टेक्सास के प्लानों में खोला नया मुख्यालय

प्लानो। भारत की सूचना प्रौद्योगिकी एवं सेवा कंपनी टेक महिंद्रा ने अमेरिका के लिए अपना नया मुख्यालय स्थापित कर दुनिया के इस प्रमुख बाजार में परिचालन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। टेक्सास के प्लानों में अपने इस केंद्र के बारे में कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह नया कार्यालय अमेरिकी बाजार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। कंपनी ने कहा है कि यह केंद्र तकनीकी नवाचार को आगे बढ़ाने और अपने ग्राहकों को उन्नत समाधान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार प्लानों कार्यालय के उद्घाटन समारोह में वहां के मेयर जॉन बी. मुन्स, अमेरिकी सांसद मेलानी रॉयर, कंपनी के ग्राहक और टेक महिंद्रा के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 638.7 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी गिरावट से 28 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले सप्ताह की तेजी गंवा दी और 1.8 अरब डॉलर घटकर 638.7 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.8 प्रतिशत के इजाफे के साथ 640.5 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 28 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 49.3 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 543.4 अरब डॉलर पर आ गई। इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.3 अरब डॉलर लुढ़ककर 73.3 अरब डॉलर रह गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 17.99 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 1.2 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 4.1 अरब डॉलर पर आ गया।

2025 में औसत वेतन में 8.8 प्रतिशत बढ़ोतरी होगी

नई दिल्ली। भारतीय कंपनियां वर्ष 2025 में औसत वेतन वृद्धि को 8.8 प्रतिशत तक सीमित रख सकती हैं तथा वर्ष 2024 में इसके 9.0 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। डेलॉइट इंडिया के शुक्रवार को जारी टैलेंट आउटलुक 2025 सर्वेक्षण के अनुसार कंपनियां वेतन वृद्धि लागत बजट को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया है कि 75 प्रतिशत कंपनियां वेतन वृद्धि को या तो घटाएंगी या पिछले साल के समान स्तर पर बनाए रखेंगी। इसके अलावा उपभोक्ता उत्पाद क्षेत्र में वेतन वृद्धि बजट में उल्लेखनीय कमी की संभावना है। संगठनों के भीतर प्रमुख प्रतिभाओं को बनाए रखने की रणनीति के तहत, शीर्ष प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को औसत प्रदर्शन करने वालों की तुलना में 1.7 गुना अधिक वेतन वृद्धि मिल सकती है।

लिवाली की बदौलत शेयर बाजार सपाट बंद

- सेंसेक्स 7.51 अंक फिसलकर 74,332.58 पर रहा
- निफ्टी 7.80 अंक बढ़कर 22,552.50 पर बंद

मुंबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ नीति को लेकर विश्व बाजार में आई गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर तेरह समूहों में हुई एक फीसदी से अधिक तक की बिकवाली वहीं अन्य समूहों में लिवाली होने से आज शेयर बाजार सपाट बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 7.51 अंक फिसलकर 74,332.58 अंक जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 7.80 अंक बढ़कर 22,552.50 पर सपाट रहा। हालांकि बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में घटबढ़ रही। इससे मिडकैप 0.30 प्रतिशत की गिरावट लेकर 39,888.29 अंक जबकि स्मॉलकैप 0.75 प्रतिशत की छलांग लगाकर 45,606.86 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 4114 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2512 में लिवाली जबकि 1468 में बिकवाली हुई वहीं 134 में कोई बदलाव नहीं हुआ। हालांकि निफ्टी की 30 कंपनियां लाल जबकि अन्य 20 हरे निशान पर रहीं। बीएसई के 13 समूहों का रुझान नकारात्मक रहा। इससे सीडी 0.27, एफएमसीजी 0.04, वित्तीय सेवाएं 0.07, हेल्थकेयर 0.36, आईटी 0.83, यूटिलिटीज 0.91, बैंकिंग 0.08, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.11, पावर 0.59, रियल्टी 0.75, टेक 0.59, सर्विसेज 0.41 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.84 प्रतिशत लुढ़क गए।

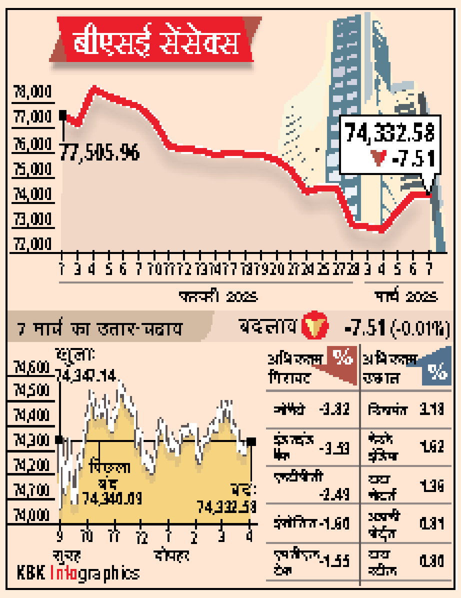

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.49, जर्मनी का डैक्स 1.41, जापान का निक्केई 2.17, हांगकांग का हैंगसेंग 0.57 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.25 प्रतिशत गिर गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ 74,347.14 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 74,038.03 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। वहीं, लिवाली होने से दोपहर से पहले यह 74,586.43 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 74,340.09 अंक के मुकाबले 0.01 प्रतिशत फिसलकर 74,332.58 अंक पर सपाट रहा।

वहीं, निफ्टी 36 अंक गिरकर 22,508.65 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,464.75 अंक के निचले जबकि 22,633.80 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,544.70 अंक की तुलना में 0.03 प्रतिशत बढ़कर 22,552.50 अंक पर सपाट बंद हुआ।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली कंपनियों में जोमैटो 3.82, इंडसइंड बैंक 3.53, एनटीपीसी 2.49, इंफोसिस 1.60, एचसीएल टेक 1.55, टाइटन 1.28, पावरग्रिड 1.24, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.71 टेक महिंद्रा 0.64, आईटीसी 0.48, एलटी 0.44, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.43, आईसीआईसीआई बैंक 0.34, सन फार्मा 0.26, बजाज फिनसर्व 0.24, एचडीएफसी बैंक 0.16 और बजाज फाइनेंस 0.01 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, रिलायंस 3.18, नेस्ले इंडिया 1.62, टाटा मोटर्स 1.36, अडानी पोर्ट्स 0.81, टाटा स्टील 0.80, अल्ट्रासिम्को 0.77, कोटक बैंक 0.67, एक्सिस बैंक 0.49, टीसीएस 0.32, भारती एयरटेल 0.28, मारुति 0.12, एसबीआई 0.11 और एशियन पेंट के शेयर 0.09 प्रतिशत लाभ में रहे।

अमेरिका बना रहा है बिटकॉइन का क्रिप्टो भंडार

वॉशिंगटन, 7 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बिटकॉइन का एक आभासी मुद्रा (क्रिप्टो) भंडार बनाने की घोषणा की है। श्री ट्रंप ने इससे जुड़े आधिकारिक आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति के साथ ही क्रिप्टो भंडार बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उल्लेखनीय है कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश बिटकॉइन को आधिकारिक मान्यता नहीं दे रहे हैं लेकिन श्री ट्रंप द्वारा क्रिप्टो भंडार बनाने की पहल से इस आभासी मुद्रा को वैश्विक स्तर पर मान्यता पाने में मदद मिलेगी। व्हाइट हाउस ने कहा कि कुछ ही मिनट पहले, राष्ट्रपति ट्रम्प ने रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व स्थापित करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। रिजर्व को संघीय सरकार के स्वामित्व वाले बिटकॉइन से पूंजीकृत किया जाएगा, जिसे आपराधिक या नागरिक संपत्ति जब्ती कार्यवाही के हिस्से के रूप में जब्त किया गया था। इसका मतलब है कि इससे करदाताओं को एक पैसा भी खर्च नहीं करना पड़ेगा। इसमें कहा गया है कि अमेरिकी सरकार के पास लगभग दो लाख बिटकॉइन हैं, हालांकि, कभी भी पूर्ण ऑडिट नहीं हुआ है। राष्ट्रपति का कार्यकारी आदेश संघीय सरकार की डिजिटल संपत्ति होल्डिंग्स का पूरा लेखा-जोखा रखने का निर्देश देता है। अमेरिका अपने रिजर्व में जमा किए गए किसी भी बिटकॉइन को नहीं बेचेगा।

- लगभग दो लाख बिटकॉइन हैं अमेरिकी सरकार के पास

मूंगफली तेल सस्ता, चना व दाल चना गिरी अन्य जिंसों के भाव स्थिर

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल सस्ता हो गया तथा चना और दाल चना के भाव गिर गए वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा 77 रिंगिट चढ़कर 4821 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.16 सेंट की गिरावट के साथ 43.01 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में मूंगफली तेल में 294 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में चना और दाल चना के 150-150 रुपए प्रति क्विंटल गिरने के अलावा अन्य दालों में टिकाव रहा। मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7300-7400, मूंग दाल 9250-9350, उड़द दाल 9200-9300, अरहर दाल 8400-8500 रुपए प्रति क्विंटल रहे। **अनाज :** (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपए और **चावल :** 3150-3250 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

युवा भारतीय महिलाओं में बढ़ रही उद्यमशीलता

नई दिल्ली, 7 मार्च (वार्ता) दुनिया भर में खासतौर पर युवा महिलाओं में उद्यमशीलता की भावना तेज़ी से बढ़ रही है। महिलाएं अपने सपनों को साकार करने, वित्तीय स्वतंत्रता पाने, कार्य और जीवन में संतुलन बनाने और समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ रही हैं।

- महिलाओं में व्यवसाय बढ़ाने को लेकर बढ़ा आत्मविश्वास
- अपने सपनों को पूरा करने की इच्छा, बेहतर कार्य-जीवन संतुलन की तलाश व पारंपरिक नौकरियों से आजादी चाह रही महिलाएं

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 से पहले मास्टरकार्ड द्वारा किए गए नए शोध से पता चला है कि भारत की लगभग आधी (45 प्रतिशत) महिलाओं ने अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने का विचार किया है। यह प्रवृत्ति खासतौर पर मिलेनियल और जेनरेशन ज़ी की महिलाओं में अधिक देखी जा रही है। मिलेनियल (आयु 29-44) महिलाओं में यह संख्या 46 प्रतिशत है, जबकि जेनरेशन ज़ी की 45 प्रतिशत महिलाओं ने भी व्यवसाय शुरू करने की इच्छा जताई है। जेनरेशन एक्स (आयु 45-60) और बेबी बूमर्स (आयु 61-79) की महिलाओं में यह आंकड़ा थोड़ा कम है, लेकिन अब भी 38 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि वे खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं। भारत में महिलाएं मुख्य रूप से तीन प्रमुख कारणों से उद्यमिता की ओर बढ़ रही हैं। अपने सपनों को पूरा करने की इच्छा (51 प्रतिशत), बेहतर कार्य-जीवन संतुलन की तलाश (44 प्रतिशत) और पारंपरिक नौकरियों से आज़ादी (40 प्रतिशत)। शोध से यह भी पता चला कि वर्तमान में लगभग आधी (46 प्रतिशत) भारतीय महिलाओं के पास कोई न कोई अतिरिक्त कमाई का जरिया है। खासतौर पर बेबी बूमर्स (आयु 61-79) की महिलाओं में यह आंकड़ा बढ़कर 61 प्रतिशत हो गया है, क्योंकि वे किसी भी अन्य आयु समूह की तुलना में अधिक पैसे कमाने के लिए अपनी साइड इनकम शुरू करने के लिए सबसे अधिक प्रेरित हैं। महिलाओं में व्यवसाय बढ़ाने को लेकर भी बड़ा आत्मविश्वास देखा गया है। शोध में पाया गया कि महिला व्यवसायियों में 89 प्रतिशत को अगले पांच वर्षों में अपनी आमदनी बढ़ने की उम्मीद है, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 87 प्रतिशत ही था। इतना ही नहीं, करीब 38 प्रतिशत महिलाएं मानती हैं कि अगले पांच सालों में उनका व्यवसाय 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ सकता है, जबकि पुरुषों में सिर्फ 20 प्रतिशत ऐसा सोचते हैं।

जो उद्योग भारतीय महिलाओं के बीच सबसे अधिक लोकप्रिय हैं, उनमें शिक्षा, खाद्य एवं पेय पदार्थ और ऑनलाइन बिक्री प्रमुख हैं।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।